दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-157
मुरादाबाद
(Friday)
27 September 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'सादगी के प्रतीक', पूर्व पीएम के जन्मदिवस पर मानहानि मामले में शिवसेना कांग्रेस की शुभकामना, प्रधानमंत्री ने भी दी बधाई

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मनमोहन सिंह को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा डॉ. मनमोहन सिंह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे देश के भविष्य को आकार देने में आपकी विनम्रता, बुद्धिमत्ता और निस्वार्थ सेवा मुझे और लाखों भारतीयों को प्रेरित करती रहेगी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आज अपना 92वां जन्मदिवस मना रहे हैं। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व पीएम को बधाई दी। राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि

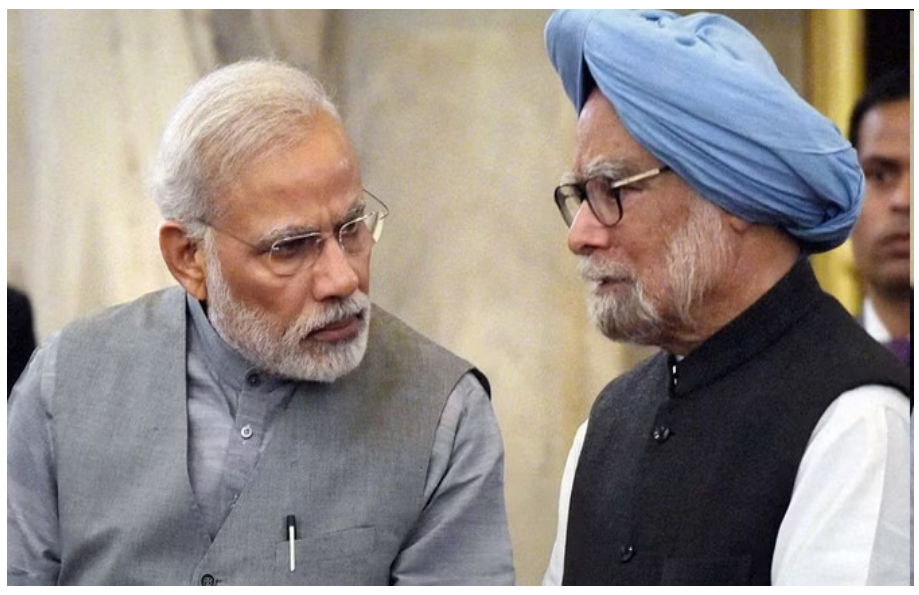

उन्होंने विनम्रता, बुद्धिमानी से देश की निस्वार्थ सेवा की और देश के भविष्य को दिशा दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व पीएम को जन्मदिन की बधाई दी और उनके दीर्घायु होने की कामना की। सादगी के प्रतीक और दूरदर्शी नेता- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनमोहन सिंह को जन्मदिन की बधाई दी और सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि वे राजनीति में सादगी, गरिमा और सरलता के दुर्लभ प्रतीक हैं। खरगे ने कहा कि मनमोहन सिंह ने बोलने से ज्यादा काम किया। हम राष्ट्र के लिए उनके जबरदस्त योगदान के लिए आभारी हैं।% वहीं राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मनमोहन सिंह को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा डॉ. मनमोहन सिंह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे देश के भविष्य को आकार देने में आपकी विनम्रता, बुद्धिमत्ता और निस्वार्थ सेवा मुझे और लाखों भारतीयों को प्रेरित करती रहेगी। आपको हमेशा अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की शुभकामनाएं! कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पूरा जीवन देश को समर्पित रहा है। उन्होंने देश के सभी वर्गों के हित, प्रगति और कल्याण को ध्यान में रखते हुए कई जन कल्याणकारी नीतियां बनाई हैं। कांग्रेस परिवार की ओर से भारत में आर्थिक समृद्धि के निर्माता डॉ. मनमोहन सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हम ईश्वर से आपके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं।% प्रधानमंत्री मोदी ने भी दी जन्मदिन की शुभकामनाएं- पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह के जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। बीते दिनों मनमोहन सिंह ने राज्यसभा का कार्यकाल पूरा किया था और इसके साथ ही उनकी सक्रिय राजनीति से विदाई हो गई। उस दौरान पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह की खूब तारीफ की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मेरे मनमोहन सिंह जी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा देश के लिए मार्गदर्शक का काम किया। जब भी देश के लोकतंत्र की बात होगी तब मनमोहन सिंह की चर्चा जरूर होगी।% आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार- पूर्व पीएम मनमोहन सिंह साल 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। मनमोहन सिंह 1991-96 के दौरान पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व सरकार में देश के वित्त मंत्री भी रहे। मनमोहन सिंह के वित्त मंत्री रहते हुए ही देश में आर्थिक सुधारों के क्रांतिकारी बदलाव हुए। मनमोहन सिंह ने ही देश में निजीकरण की राह खोली, लाइसेंस राज को खत्म किया, आयात-निर्यात नियमों में ढील दी गई और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी। एक तरफ मनमोहन सिंह ने देश को दिवालियापन और आर्थिक पतन की स्थिति से बचाया और दूसरी तरफ देश को तेज आर्थिक विकास की राह पर डाला। इसी का नतीजा रहा कि देश में एक बड़े मध्यम वर्ग का उदय हुआ, जो हमारी अर्थव्यवस्था का इंजन बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के पहियों का एक्सल हुआ जाम, थर्ड एसी का बी-4 कोच लहराने लगा, टला हादसा

बिहार से दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बची। बताया जा रहा है कि थर्ड एसी के बी-फोर कोच का हॉट एक्सल क्षतिग्रस्त हो गया। जिसके बाद ट्रेन को रोकना पड़ा।बिहार के जयनगर से दिल्ली जा रही सुपरफास्ट स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस 12561 गुरुवार की दोपहर दुर्घटनाग्रस्त होने से बची। फतेहपुर स्टेशन क्रॉस करते ही बी-4 कोच के पहियो× का एक्सल जाम होकर गर्म हो गया। इसकी वजह से कोच लहराने लगा। इस पर ट्रेन को कुरस्ती कलां स्टेशन पर रोकना पड़ा। रेलवे के तकनीकी स्टाफ ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद ट्रेन को स्टेशनों पर रोकते हुए कॉशन लेकर सेंट्रल लाया गयायहां नया कोच लगाकर करीब 75 मिनट बाद दोपहर के सवा दो बजे ट्रेन रवाना हुई। ट्रेन फतेहपुर स्टेशन को क्रॉस करके कानपुर की ओर करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। रास्ते में ट्रैक के स्टाफ ने पहियों का एक्सल जाम होने की वजह से बी-4 बोगी को हल्का लहराते हुए देखा। उन्होंने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद दोपहर करीब 12:53 बजे कुरस्ती कलां स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया। यहां के तकनीकी विशेषज्ञों ने एक्सल को चेक किया।उसके सही न होने पर ट्रेन को 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से कॉशन लेकर सेंट्रल लाया गया। ट्रेन बीच के तीन स्टेशनों पर रुकते हुए प्लेटफार्म नंबर दो पर आई।

यूबीटी नेता संजय राउत दोषी करार, 15 दिन जेल और 25 हजार जुर्माने की सजा

साल 2022 में संजय राउत ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया का एनजीओ, मुंबई के मीरा भयंदर इलाके में बनाए गए शौचालयों के निर्माण में हुए कथित 100 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल हैं।मानहानि मामले में शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत को दोषी करार दिया गया है। संजय राउत को 15 दिन की जेल और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। संजय राउत के खिलाफ यह मामला भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया ने दायर कराया था। संजय राउत ने किरीट सोमैया की पत्नी के एनजीओ पर कथित 100 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया थासाल 2022 का है मामला- साल 2022 में संजय राउत ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया का एनजीओ, मुंबई के मीरा भयंदर इलाके में बनाए गए शौचालयों के निर्माण में हुए कथित 100 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल हैं।

संजय राउत के आरोपों को किरीट सोमैया ने आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया और घोटाले का सबूत देने की मांग की थी। जब संजय राउत ने इसके सबूत नहीं दिए तो इसके बाद किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया ने संजय राउत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया।अदालत के फैसले पर किरीट सोमैया ने जाहिर किया संतोष- मेधा सोमैया ने अपनी शिकायत में बताया कि संजय राउत ने कथित घोटाले को लेकर कई आधारहीन आरोप लगाए और ये सब मीडिया में भी छपा और लोगों के बीच बड़े वर्ग में प्रसारित हुए। अब मुंबई की मेट्रोपिलटन मजिस्ट्रेट ने राउत को मानहानि का दोषी माना है और उन्हें सजा सुनाई है। वहीं अदालत द्वारा संजय राउत को दोषी ठहराए जाने के बाद भाजपा नेता किरीट सोमैया ने संतोष जाहिर किया और कहा कि शिवसेना यूबीटी नेता को जुर्माने की राशि मेधा सोमैया को देनी होगी।

'श्रीनगर की डल झील अब नीरस नहीं रही', जम्मू-कश्मीर में चुनाव के बीच बोले उपराष्ट्रपति धखनड़

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बीच देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब वे 1990 में श्रीनगर के दौरे पर गए थे, तब डल झील बेहद ही नीरस थी, लेकिन अब पर्यटकों से भरी हुई है। उन्होंने इस दौरान यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 अब इस क्षेत्र पर लागू नहीं है।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बीच कहा कि जब वे 1990 में श्रीनगर के दौरे पर गए थे, तब डल झील बेहद ही नीरस थी, लेकिन अब वो पर्यटकों से भरी हुई है। उन्होंने इस दौरान यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 अब इस क्षेत्र पर लागू नहीं है।वहां निराशा और हताशा की स्थिति थी- धनखड़- नई दिल्ली में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के 83वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने 1990 में केंद्रीय मंत्री के रूप में श्रीनगर की अपनी यात्रा को याद किया, जब वे डल झील के पास एक होटल में रुके थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, कश्मीर में सब कुछ नीरस था। इस दौरान सड़क पर 20 लोग भी नहीं दिख रहे थे। वहां निराशा और हताशा की स्थिति थी।मेरे सपनों से परे है जम्मू-कश्मीर की स्थिति- धनखड़- उन्होंने कहा कि राज्यसभा को पिछले साल बताया गया था कि दो करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वर्तमान स्थिति की तुलना 1990 के दशक से करते हुए कहा, आज देश के राज्य की स्थिति मेरे सपनों से परे है। मैंने कभी इसकी कल्पना नहीं की थी, मैंने आज के भारत की कल्पना नहीं की थी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ठोस नतीजों पर ध्यान केंद्रित करें,पारिस्थितिकी तंत्र ऐसा होना चाहिए जहां वैज्ञानिक अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकें। अनुसंधान और विकास में योगदान दिखावटी नहीं, बल्कि सार्थक होना चाहिए, शोध सॉफ्ट डिप्लोमेसी और सुरक्षा का अभिन्न अंग है। 1990 के दशक को उपराष्ट्रपति ने किया याद- उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि 1990 का दशक ऐसा दौर था जब भारत को अपनी वित्तीय साख बनाए रखने के लिए स्विस बैंकों में अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था क्योंकि विदेशी मुद्रा भंडार 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक गिर गया था और विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी वित्तीय संस्थाओं ने सलाह के रूप में भारत को निर्देश जारी किए थे। उन्होंने कहा कि 1990 का दशक सत्ता के गलियारों में बिचौलियों का युग था, भ्रष्टाचार व्याप्त था और केवल वंशावली वाले व्यक्ति ही अवसरों तक पहुंच सकते थे। उन्होंने कहा, अब, सत्ता के गलियारे पूरी तरह से साफ हो गए हैं। बिचौलिए गायब हो गए हैं, सभी लेन-देन डिजिटल रूप से होते हैं, बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के, यह वह बदलाव है जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी।

यशवंत सिन्हा ने अटल के नाम से बनाई पार्टी, पूर्व पीएम की पौत्री ने कहा- मोदी को मजबूत करते तो अच्छा होता

श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र में समाजसेवा के कार्य से जुड़ी अंजलि मिश्रा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से चाहे जितनी भी पार्टियां बना ली जाएं, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी का नाम केवल भाजपा के साथ जुड़ा है। भाजपा के पूर्व दिग्गज नेता यशवंत सिन्हा ने झारखंड विधानसभा चुनाव के ठीक पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से एक नई पार्टी का गठन कर दिया है। %अटल विचार मंच% के नाम से बनी यह पार्टी झारखंड की सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हजारीबाग में पार्टी के गठन के समय उन्होंने भाजपा पर अटल बिहारी वाजपेयी के सिद्धांतों से दूर हटने का आरोप लगाया। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हेमन्त विस्व सरमा पर भी जोरदार हमला बोला है और राज्य सरकार से उन पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा की राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखते हुए यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि %अटल विचार मंच% नाम से बनी यह पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। यशवंत सिन्हा के इस कदम के बाद भाजपा में सियासत तेज हो गई है। अटल बिहारी वाजपेयी की पौत्री अंजलि मिश्रा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी पार्टी पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को ही पूरा करने का काम कर रही है। उन्हीं की नीतियों पर चलते हुए आज देश के 80 करोड़ गरीब लोगों को हर महीने राशन उपलब्ध कराया जा रहा है, महिलाओं को आर्थिक-सामाजिक रूप से सशक्त किया जा रहा है और पीएम आवास योजना के अंतर्गत करोड़ों गरीब लोगों को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की अंत्योदय का विकास करने की सोच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों के विकास के साथ साथ देश को वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए भी काम कर रही है। कभी अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में ही भारत ने पोखरण परमाणु विस्फोट कर दुनिया में अपनी धाक जमाई थी। आज उन्हीं के कार्यों को आगे बढाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का काम कर रहे हैं।

संपादकीय Editorial

Unemployment to self-employment

According to the Periodic Labour Force Survey report, unemployment is decreasing in the country and the current rate has settled at 3.2%. This data is government data, so it is considered as a reliable basis for assessments. The unemployment rate in India is the lowest in comparison to America, Europe, China, Arab countries, but even today unemployment in states like Goa, Punjab, Rajasthan, Kerala etc. is still higher than the national average. If the data of communities is seen, the minority Sikhs have the highest unemployment. Hindus and upper castes are also largely unemployed. However, the unemployment rate has halved in the last six years. It is heartening that the rate of people working or looking for work in 25 states and union territories is higher than the national average. This rate is the highest in Sikkim at 60.5%. This rate is 51.3% in Chhattisgarh, while in Gujarat and Maharashtra it is 45.2% and 44.5% respectively. In Rajasthan and Punjab, the rate of working population is more than 40 percent, but in states like Bihar, Uttar Pradesh, Jharkhand, this rate is the lowest. When we study the report of Periodic Labour Force Survey, the share of women in the labour market is constantly increasing. Along with this, the trend of self-employment has also increased. In India, the definition and area of ??self-employment are questionable. From hawkers to grocery shopkeepers, agriculture and small, micro entrepreneurs, all come under the ambit of self-employment, hence their income is different. India is far behind in comparison to the conditions of small and micro industries under self-employment in China. The report reveals that if a salaried person gets a monthly salary of more than Rs 21,000, then the average income of a self-employed person is a little more than Rs 17,000. Obviously, no person would like to leave a regular and fixed income job and go into low income and extremely insecure self-employment. The government led by Prime Minister Modi has been encouraging self-employment, but its conditions should change so that better income can be obtained from self-employment. 58.4 percent of the people in the country are self-employed, 21.7 percent are employed and 19.8 percent are daily wage earners. 39 percent of the self-employed people work alone, while 19.4 percent help their family in their business. They are not paid any separate salary. The highest number of self-employed people in the agriculture sector is 82 percent. About 17 percent daily wage earners also consider themselves self-employed. The highest number of self-employed people in the country, 72.9 percent, are in Arunachal Pradesh. 72.7 percent are also self-employed in UP. Through this report, a surprising data has come to light that has been made public just a few days before the elections in Haryana that unemployment has decreased the most in Haryana. This rate is 3.4 percent, which was 6.1 percent in 2022-23. At that time, this rate of Goa was the highest at 9.7 percent. Madhya Pradesh is the only state where the unemployment rate is 0.9 percent. Gujarat (1.1 percent) is at second place in this list and Jharkhand (1.3 percent) is at third place. However, if improvements are brought in the field of self-employment, then the competition for the average job will also be less, as a result the unemployment rate will also keep decreasing. This fact has also come to light that the employers do not give appointment letters to 61.1 percent of the employees so that they do not have to give other facilities apart from salary to the employed. On the other hand, the number of daily wage laborers is decreasing, obviously production and construction in factories has decreased or small industries are becoming inactive. The result is that the laborers who become unemployed start returning to their village or ancestral place.

Investors' growing trust in India, second most preferred country after Japan

Morgan Stanley prepares the investable market index of 24 emerging markets on the basis of 3355 shares of large, medium and small companies. India has also made its significant presence felt in the standard index of emerging markets. This index includes shares of large and medium companies. By the end of the year, India will also leave China behind in the standard index of emerging markets. Dr. Surjeet Singh. India's stock market has touched new heights in the third term of the Modi government. It is the result of the far-sighted economic policies and positivity of the government that India's medium and small companies are performing better than large companies. India is becoming the favorite country of investors in emerging markets. After Japan, India has become the second most favorite country of investors in the Asia-Pacific region. From September 1 to September 13, a total of 53 thousand crores were invested in India through foreign portfolio investment in 13 days, out of which 28 thousand crores were invested in the stock market. The boom in the Indian stock market has attracted not only foreign but also domestic investors. The number of Indian investors has increased rapidly in the last four years. The good returns in the stock market have increased the confidence of investors. Apart from investing in traditional areas like gold and property, people's interest in the stock market has also increased. The number of investors in North India alone has increased almost four times. The spread of internet and mobile has increased awareness among people about the stock market and investment. The ease of online trading platforms and mobile apps has made the stock market very easy. The increase in financial literacy has also inspired people to invest in it. This is the reason why India has overtaken China and secured the first position in the latest index of investment research firm Morgan Stanley Capital International. This firm releases many types of indices based on different countries, sectors, emerging markets etc. Two indices are most important in this. First, the investable market index of emerging markets and second, the standard index of emerging markets. India's weightage in the emerging market investable market index has gone up to 22.27 percent as compared to China's 21.58 percent weightage. Morgan Stanley prepares the investable market index of 24 emerging markets on the basis of 3,355 stocks of large, medium and small companies. India has also made its significant presence felt in the emerging market benchmark index. This index includes stocks of large and medium companies. It is believed that by the end of this year, India will leave China behind in the emerging market benchmark index as well, because in the recent past, about 60 poorly performing stocks of China were removed from it, while seven well-performing stocks of India were added to it. After this, while India's weightage has increased by 84 percent, China's weightage has decreased by 50 percent. Currently, China's weightage is 23.7 percent and India's is 20.6 percent. At the beginning of 2021, India's weightage was 9.2 per cent, less than one-fourth of China's 38.7 per cent weightage. This rebalancing reflects broader market trends. While China is grappling with economic challenges and regulatory actions, India has benefited greatly from favourable economic conditions. At present, China's total market capitalisation is $8.14 trillion, which is 60 per cent more than India's $5.03 trillion. The increase in India's weightage in both Morgan Stanley indices proves that India's credibility is increasing on the global stage. Due to the favourable policies of the government, the fundamentals of the Indian economy are getting stronger and Indian companies are performing impressively. Due to all this, the equity market is consistently performing better. The country is not only making continuous economic progress, but is also attracting the international investor community. India also has favourable conditions on various aspects of macro economics such as monetary and fiscal deficit etc. The positive trends such as 47 percent increase in foreign direct investment (FDI) in the beginning of the year 2024, reduction in crude oil prices, substantial foreign portfolio investment (FPI) in Indian debt markets etc. have been the major factors. Due to this positivity, domestic investors are also investing comparatively more money in the stock market. With India's weightage being higher than China and the possibility of recession in America, the confidence of foreign investors in Indian companies is increasing rapidly today. According to an estimate, this change in Morgan Stanley's indices can bring capital of Rs 35 thousand crore to Rs 40 thousand crore in the Indian equity market, which will give further impetus to economic growth. In the coming times, the shares of small and medium companies are likely to grow faster than large companies. To maintain the growing importance of Indian markets and to promote the economic development of the country, special emphasis will have to be given to both domestic and foreign capital. To include India among the developed countries by 2047, an expected pace of investment will have to be maintained. To maintain the continuity of investors and India's confidence in the global market, a framework of a positive long-term trend has to be developed. For this, A favourable environment must be provided to foreign portfolio investors through strict investment regulations.

Kashmiri separatists can become a threat, ignoring their agenda may prove costly

Jammu Kashmir Election There are many candidates in the Jammu and Kashmir assembly elections who have either been separatists or active members of such organizations. Many of them are independents. A large section of these independent candidates is being run by Sheikh Abdul Rashid, popularly known as Engineer Rashid, who was lodged in Tihar Jail on charges of anti-national activities. Last December, the Supreme Court, along with dismissing the petitions challenging the decision to repeal Article 370 and abolish the special status of Jammu and Kashmir, also directed that assembly elections be held within a fixed time. After this direction of the Supreme Court, a section of the country seems confident that everything will be fine after the assembly elections due to the peaceful elections being held in Jammu and Kashmir. People also hope that after the election of the new assembly, peace will be restored in Jammu and Kashmir, which has been surrounded by troubles since the first day of independence. The difficulties faced by the people here due to the Kashmir dispute and the level of opposition faced by the central governments on global platforms, which have repeatedly been defeated by the power of narrative creation of anti-India forces, make it natural for such hopes to arise. Before these assembly elections, the way the people of Jammu and Kashmir participated in the local body elections with enthusiasm and the way those elections were conducted in a peaceful atmosphere, also raised the hope that everything would be fine in Kashmir, but the kind of candidates and election promises that have dominated the entire atmosphere in the Kashmir Valley since the day the Election Commission announced the assembly elections, the apprehension has started gaining strength that even if any party or group gets a majority in the assembly, the politics of the valley can again be heated in the fire of separatism and confrontation with the Center. There are many candidates in the Jammu and Kashmir assembly elections who have either been separatists or active members of such organizations. Many of them are independents. A large section of these independent candidates is being led by Sheikh Abdul Rashid, popularly known as Engineer Rashid, who was lodged in Tihar Jail on charges of anti-national activities. With the grace of the Supreme Court, he was released on bail for election campaign. Engineer Rashid, who has a conservative image, despite being in jail, defeated former Chief Minister and National Conference Vice President Omar Abdullah by a huge margin in the Lok Sabha elections in his traditional seat Baramulla. Rashid is accused of having a secret alliance with the banned Jamaat-e-Islami in these elections. In their election campaign, many candidates have openly said that if they win the election, they will implement Article 370 again and also restore the special status of Jammu and Kashmir. One effect of the crowd gathering in the meetings of such candidates was that the National Conference and PDP, which are generally considered to be moderate and moderate in comparison to the terrorists and separatists, also adopted a tough stance. Farooq Abdullah and Mehbooba Mufti are promising in their election speeches to re-implement 370 and to give the state more autonomy and special status. The National Conference has even included in its election promises that if their alliance with the Congress gets a majority, then the 2000 resolution will be passed in the assembly again, which talked about restoring the status of the state to the level of 1951. It had a provision for Jammu and Kashmir to have its own flag and constitution, separate from India. Congress leaders are in a dilemma due to the alliance with the National Conference. Congress does not want to take the risk of adopting a similar attitude in the Jammu region. The political equations of Jammu and Kashmir valley are exactly opposite to each other. Congress leaders remember the atmosphere of happiness and celebration on a large scale in Jammu after the abrogation of Article 370 in August 2019. After this, the way the policies of the Center opened new doors of development in both Jammu and Kashmir, the Congress cannot take the risk of talking about the return of 370 under any circumstances. There are two more factors that are worsening the atmosphere in the Kashmir Valley, ignoring which can prove to be costly. One is that the Supreme Court, which shows itself to be active in almost every matter, issued an order to hold elections soon, but did not give any order to ensure the safe return of Kashmiri Hindus and Sikhs who were driven out of the Kashmir Valley on the basis of terror and violence and their equal participation in local politics. It was expected from the Supreme Court, the protector of democracy and human values, that it would take cognizance of this sin that lakhs of people living for centuries in the Kashmir Valley of India's only Muslim-majority state were driven out only because they were not Muslims.Similarly, in 2022, even though the new delimitation commission of the state has increased the assembly seats from 111 to 114 and given six additional seats to Jammu and one to the valley, even after this, the balance of power in the assembly will remain in favor of Kashmir due to being 47-43. Unfortunately.

ईख के खेत में मिले गोवंश के अवशेष, माहौल बिगाड़ने की साजिश

पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने नमूने लेकर जांच के लिए भेजे, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

मुरादाबाद। भोजपुर थाना क्षेत्र में अराजक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने की साजिश की है। पुलिस ने ईख के खेत से गोवंश के अवशेष बरामद किए है। मौके पर पहुंची पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने अवशेषों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव बाकरपुर अटायन और वाजिदपुर में अराजक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने की साजिश की है। किसी ने गोंवशीय पशुओं की हत्या कर उनके अवशेषों को ईख के खेत में फेंक दिया। इस्लामनगर निवासी पिंकू किसी काम से खेत पर गए थे। इसी दौरान अचानक से उन्होंने अटायन और वाजिदपुर गांव के बीच में ईख के खेत में कुछ गोवंशीय अवशेष पड़े देखे। आनन-फानन में उन्होंने गांव वालों को मौके पर बुला लिया। देखते ही देखते माहौल गरमा हो गया। इसके बाद पिंकू ने पुलिस को सूचना दी। उपनिरीक्षक हरि सिंह यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पशुचिकित्सा अधिकारी नरेश कुमार को मौके पर बुलाकर अवशेषों की जांच कराई। टीम ने अवशेषों के नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेज हैं। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों की सहायता से पुलिस ने गड्ढा खुदवाकर अवशेषों को दवा दिया। थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह ने बताया है कि मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

जनता के बीच में सपा-कांग्रेस की कोई उपस्थिति नहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने साधा निशाना

मुरादाबाद। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस चुनावों को लेकर हमारी संवैधानिक संस्थाओं, चुनाव मशीनरी को लांछित है। ये उनका एक में उनकी कोई केवल एक नेगेटिव एजेंडा सेट करके चाहते हैं। पूरी साथ सरकार और कराता है। उस लोगों को विश्वास सिंह सपा के पूर्व द्वारा दो दिन पहले लेकर पूछे गए थे। सपा आयोग, सरकारी करने का काम करती रही एजेंडा है। जनता के बीच उपस्थिति नहीं है। वो प्रचार करके, नेगेटिव जनता को गुमराह करना पारदर्शिता व्यवस्था के निर्वाचन आयोग चुनाव व्यवस्था पर हम सब है। दरअसल, चौधरी भूपेंद्र विधायक हाजी रिजवान किए गए प्रदर्शन को सवाल का जवाब दे रहे कार्यकर्ताओं ने %मैं जिंदा हूं कि तख्तियां लेकर डीएम कार्यालय पहुंच कर पहुंचे थे और भाजपा द्वारा वोट काटने का आरोप लगाया था। बता दें कि प्रदेश की अन्य सीटों के साथ कुंदरकी में भी उपचुनाव जल्द होने हैं। कुंदरकी विधानसभा सीट से पहले समाजवादी पार्टी के जियाउर रहमान बर्क विधायक थे। लेकिन, उनके संभल से लोकसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद यह सीट खाली हो गई।

ब्यूटी पार्लर से लौट रही युवती से छेड़छाड़, धर्मांतरण का दबाव

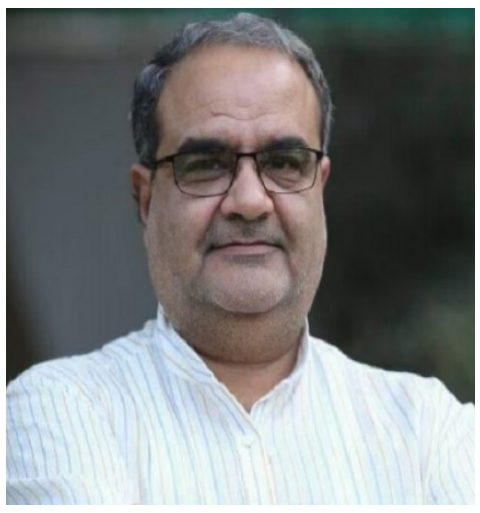

19 सितंबर की रात को सुनसान इलाके में खींचकर ले गए आरोपी, तेजाब डालने का प्रयास, दो नामजद समेत 6 के खिलाफ रिपोर्ट, जांच में जुटी पुलिस

मुरादाबाद। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर जा रही युवती के साथ शोहदों ने छेड़खानी कर दी। साथ ही धर्मांतरण कराकर शादी करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। जान की सुरक्षा के लिए पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने 2 नामजद समेत 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।थाना क्षेत्र के अगवानपुर निवासी युवती की मां ने दी तहरीर में बताया है कि उनकी बेटी हरथला में ब्यूटी पार्लर में लड़कियों को सिखाने जाती है। कॉलोनी के ही रहने वाले दिलशाद और मुम्तयाज अपने दोस्तों के साथ रास्ते में युवती से छेड़खानी और अश्लीलता करते हैं। जबरन मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाते हैं। पीड़िता ने मामले की जानकारी अपनी मां को दी। युवकों की हरकतों से गुस्साई मां ने आरोपियों से शिकायत की तो लकड़ों के परिजनों ने उल्टा उसे ही डांट दिया। आरोप है कि बीते गुरुवार को रोजाना की तरह युवती पार्लर से घर जा रही थी। इसी दौरान देर शाम 8 बजे दिलशाद और मुम्तयाज ने चार साथियों के साथ मिलकर रेलवे स्टेशन हरथला रोड पर युवती को घेर लिया। आरोपी उसे सुनसान इलाके में खींचकर ले गए। वहां पर अश्लीलता करने लगे। छींटाकशी में युवती के कपड़े फाड़ दिए। विरोध करने पर साथ में लाए तेजाब डालने की धमकी देने लगे। शोर मचाने पर आसपास के लोगों जुट गए। लोगों के आते देख आरोपी फरार हो गए। जैसे-तैसे पीड़िता घर पहुंची। पीड़िता की मां ने दिलशाद और मुम्तयाज समेत 6 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद में डेढ़ गुना बढ़ गया यूपीआई से लेनदेन, खाताधारकों ने पांच माह में किया 600 करोड़ का पेमेंट

मुरादाबाद जिले के बैंक खाताधारकों यूपीआई का जमकर प्रयोग कर रहे हैं। बैंक अधिकारियों के अनुसार अगस्त में 120 करोड़ से अधिक का लेनदेन किया है। इस समय जिले में 32 बैंकों की 248 शाखाएं हैं। मुरादाबाद जिले के बैंक खाताधारकों ने यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) के जरिए अगस्त में 120 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया है। पिछले साल अगस्त के मुकाबले यूपीआई के जरिए लेन देन की संख्या में 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जिले में 32 बैंकों की 248 शाखाएं हैं।केनरा, प्रथमा, एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया आदि में 35 लाख से ज्यादा खाताधारक हैं। इसमें सभी तरह के ऑनलाइन लेन-देन करने वाले 18 लाख से अधिक खाताधारक हैं। ऑनलाइन के जरिए लेन-देन करने वाले अधिकतर खाताधारक यूपीआई का ही प्रयोग कर रहे हैं।खाताधारकों ने पिछले पांच महीने के भीतर 600 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन किया है। वहीं अगस्त 2023 में खाताधारकों ने यूपीआई के जरिए 62 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन किया था। एक साल में यह एमाउंट करीब 47 प्रतिशत बढ़ा है। अब हर महीने यूपीआई के जरिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन हो रहा है। ऐसे काम करता है यूपीआई - यूपीआई सेवा के लिए आपको एक वर्जुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा। यूपीआई से ट्रांजेक्शन करने के लिए आईएफएससी कोड, अकाउंट नंबर, फोन नंबर, बार कोड या वर्चुअल पेमेंट एड्रेस की जरूरत होती है। एक दिन में यूपीआई की लिमिट आमतौर पर एक लाख रुपये होती है। यूपीआई के जरिए आसानी से बिल का भुगतान, शॉपिंग आदि कर सकते हैं। दिनभर में होता है दो करोड़ रुपये का लेनदेन- छह माह पहले दिनभर में यूपीआई के जरिए एक करोड़ रुपये तक का ही लेन-देन होता था, लेकिन यह संख्या धीरे-धीरे बढ़ती गई। अब यह आंकड़ा दो करोड़ रुपये को भी पार कर गया है। बैंक अधिकारियों का कहना है कि लोग एक से लेकर एक लाख रुपये तक का लेन-देन ऑनलाइन ही कर रहे हैं। इस वजह से ट्रांजेक्शन की संख्या लगातार बढ़ती गई। यूपीआई का प्रयोग लोग सबसे ज्यादा छोटे पेमेंट के लिए कर रहे हैं। दिन भर सबसे ज्यादा यूपीआई के जरिए 10 और 20 रुपये का ट्रांजेक्शन होता है। - पंकज शरन, लीड बैंक मैनेजर

संक्षिप्त समाचार

दो नाबालिगों के अपहरण का प्रयास कर रहे कार सवार को भीड़ ने पीटा, कार में लगाई आग

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद में थाना गलशहीद इलाके के प्रिंस रोड बिजली घर के पास रात लगभग 11 बजे के समय घर लौट रहे दो नाबालिग बच्चों से समान मंगाने के बहाने कार में में बैठाकर एक व्यक्ति के द्वारा अपहरण करने का प्रयास किया गया, दोनों बच्चों ने दौड़कर अपने पिता और आसपास लोगों को अपहरण की बात बताई। जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई, और कार सवार अपहरणकर्ता की जमकर पिटाई कर दी, इतना ही नहीं गुस्साई भीड़ ने थाने के पीछे प्रिंस रोड पर खड़ी आरोपी की वेगनार कार में आग भी लगा दी, देखते ही देखते कार जलकर राख हो गई, हंगामे की सूचना पर थाना गलशहीद पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर बितर किया। यर ब्रिगेड को बुलाकर कार में लग रही आग को बुझाया। फिलहाल पुलिस ने भीड़ द्वारा पकड़े गए अपहरणकर्ता से जब पूछताछ की तो उसने अपना नाम नासिर जिला रामपुर के टांडा का रने वाला बताया है। फ़िलहाल आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिसके खाने में गड़बड़ी हो उस पर हो कार्रवाई, पूरे वर्ग को न बनाएं निशाना : सांसद रुचि वीरा

मुरादाबाद। सांसद रुचि वीरा ने होटल रेस्टोरेंट पर नेम प्लेट लगाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश को गलत बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री जनता के खाने की सामग्री की गुणवत्ता और शुद्धता पर ध्यान दें तो बेहतर होगा। साथ ही सामग्री में करने वाले कार्रवाई प्लेट का नहीं है। नहीं हिंदू व्यक्ति से हो सकती खाद्य मिलावट लोगों पर करें। नेम कोई फायदा मुस्लिम ही नाम वाले भी खामी है। प्रदेश में हो रहे एनकाउंटर और बुलडोजर वाली कार्रवाई पर प्रदेश सरकार पर सांसद ने निशाना साधा। उन्होंने मंदिर- मस्जिदों के लिए पूर्वजों द्वारा जमीन खाली कराने की बात पर एतराज जताया। कहा कि जमीन का सत्यापन करा लें कि सही है या नहीं। सपा की मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा बुधवार को दिल्ली रोड स्थित सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहीं थीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी कर समाधान का भरोसा दिलाया। सांसद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि हमारा देश धर्म-निरपेक्ष है। यहां से दुनिया में हिंदू मुस्लिम भाई-भाई का संदेश दिया जाता है। प्रदेश में होटल रेस्टोरेंट पर नेम प्लेट लगाने से कोई खास फायदा नहीं है। रही बात खाद्य सामग्री में गड़बड़ी करने की तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। न कि उस वर्ग विशेष को निशाना बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब पिछली सरकारों के सापेक्ष भाजपा सरकार में 207 एनकाउंटर हो चुके है जो कि गलत हुए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय को इस पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने वक्फ बोर्ड की जमीन को लेकर कहा कि जिन लोगों ने अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए मदरसे के लिए जमीन दान में थी। उन जमीन का सत्यापन करें न कि उस पर कार्रवाई के नाम पर बुलडोजर चलाया जाए। इससे केवल एक वर्ग विशेष को मैसेज देकर परेशान करने का काम किया जा रहा है। भारत देश आपसी भाईचारे वाला देश है इसकी आजादी के लिए हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सभी ने कुर्बानियां दी है। इस पर सभी का हक है।

KYUN NA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

गंगा-जमुनी तहजीब...शाहजादे आलम मेघनाथ व मोहम्मद रईस निभाएंगे परशुराम का किरदार

आदिल और अख्तर रामलीला में पेंटिंग के माध्यम से देते हैं सहयोग, सालों से कई मुस्लिम कलाकार रामलीला में निभा रहे किरदार

मुरादाबाद। शाहजादे आलम और मोहम्मद रईस आज के दौर में हिंदुस्तान की गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल को जिंदा रखे हैं। यह दोनों मुस्लिम होने के बावजूद खुले मन से रामलीला में अलग-अलग किरदार निभाते हैं। पहले भगवान राम, रावण और लक्ष्मण, भगवान शंकर के अलावा अन्य किरदार निभा चुके शाहजादे इस बार मेघनाथ और रईस परशुराम भगवान का किरदार रामलीला में करेंगे। यह दोनों मुस्लिम कलाकार कार्तिकेय संस्था की ओर मध्यप्रदेश में होने वाली रामलीला में 27 सितंबर से अभिनय करेंगे। इस बार मध्य प्रदेश और हरियाणा के रोहतक में कार्तिकेय संस्था की ओर से होने वाली रामलीला सर्व धर्म समभाव का संदेश दे रही का किरदार निभाएंगे तो वहीं शाहजादे आलम दर्शकों का दिल जीतेंगे। कार्तिकेय संस्था के आलम पेशे से पेंटर हैं, लेकिन पिछले 20 साल से अलग किरदार निभाते हैं। वहीं मूल रूप से जनपद हैं, लेकिन 20 साल से रामलीला में अभिनय करने निभाते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार रईस परशुराम रामलीला मध्य प्रदेश के धार जिले में 27 सितंबर बाद दूसरी रामलीला हरियाणा के रोहतक में होगी। निदेशक राजेश रस्तोगी ने बताया कि वह पिछले उनके साथ मुस्लिम सहयोगी आदिल और अख्तर आदिल और अख्तर हर साल पेंटिंग कर पूरा मंच साथ जुड़कर रामलीला में अलग-अलग किरदार नहीं लगा कि मैं दूसरे धर्म से हूं। मैं खुद को मुस्लिम निभाता हूं। इस बार मैं मेघनाथ का किरदार

है। इस रामलीला में मोहम्मद रईस भगवान परशुराम मेघनाथ के रोल में अदाकारी करके रामलीला के निर्देशक पंकज अग्रवाल दर्पण ने बताया कि शहजादे हमारे साथ जुड़े हैं और हर साल रामलीला में अलग-बरेली के रहने वाले मोहम्मद रईस पोल्ट्री फार्म चलाते के लिए समय निकालकर दोनों रामलीला में किरदार और शाहजादे मेघनाथ का रोल करेंगे। हमारी पहली से होने जा रही है, जिसकी तैयारी पूरी हो गई है। इसके वहीं दूसरी ओर श्री राम मानस मंच के संस्थापक 43 सालों से माया नगरी मुंबई में रामलीला कर रहे हैं। भी काफी सालों से साथ जाते हैं। उन्होंने बताया कि सजाते हैं। मैं पिछले 20 सालों से कार्तिकेय संस्था के निभाता आ रहा हूं। टीम से जुड़ने के दौरान मुझे कभी नहीं, बल्कि भगवान का सेवक समझकर किरदार निभाऊंगा। -शाहजादे आलम, रामलीला कलाकार इससे पहले मैं रामलीला में भगवान राम, भरत, इंद्र देव का किरदार निभा चुका हूं। मैं पिछले 20 साल से कार्तिकेय संस्था के साथ अलग-अलग शहरों में रामलीला में जा चुका हूं। वैसे तो मेरा पोल्ट्री फार्म का काम है, लेकिन मैं हर साल रामलीला के लिए अलग से समय निकालता हूं और बरेली से मुरादाबाद आता हूं।-मोहम्मद रईस, रामलीला कलाकार हमारी रामलीला में शाहजादे आलम और मोहम्मद रईस के अलावा ईसाई और सिख समाज के लोग भी जुड़े हैं, जो हर साल रामलीला मंचन में सहयोग देते हैं। हमारी रामलीला सर्वधर्म समभाव का संदेश दे रही है।-पंकज दर्पण, निर्देशक कल से महानगर में शुरू हो जाएगा रामलीला का मंचन- महानगर में 27 सितंबर से अलग-अलग स्थानों पर रामलीला का मंचन शुरू होगा। इसके लिए सभी कमेटियों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सबसे पहले श्रीरामलीला मैनेजिंग कमेटी के तत्वावधान में 27 सितंबर से लाइनपार के रामलीला मैदान में रामलीला का मंचन मुकुट पूजन एवं खाटूश्याम के कीर्तन से किया जाएगा। कमेटी के सचिव राजीव बंसल ने बताया कि यहां मंचन 15 अक्टूबर को श्रीराम के अभिषेक के साथ संपन्न किया जाएगा। वहीं श्रीराम कथा मंचन समिति लाजपत नगर के तत्वावधान में रामलीला मैदान लाजपतनगर में 30 सितंबर को भगवान गणेश एवं भगवान वाल्मीकि पूजन तथा नारद मोह से मंचन की शुरुआत से होगी। कमेटी के मंत्री श्याम कृष्ण रस्तोगी ने बताया कि रामलीला का समापन 13 अक्टूबर को राजगद्दी जुलूस निकाल कर किया जाएगा। इसके अलावा प्राचीन श्री रामलीला कमेटी पुराना दसवां घाट पर रामलीला का मंचन एक अक्टूबर को भगवान गणेश की वंदना और मुकुट पूजन से शुरू होगा। कमेटी के प्रवक्ता धर्मेंद्र यादव ने बताया कि रामलीला का मंचन श्रीशिव शंकर आदर्श रामलीला मंडल द्वारा किया जाएगा। मंचन का समापन 16 अक्टूबर किया जाएगा। उधर, श्रीरामलीला कमेटी सिविल लाइंस की रामलीला का मंचन चार अक्टूबर को नेहरू युवा केंद्र में किया जाएगा। कमेटी के अध्यक्ष अंशू भैया ने बताया कि रामलीला को 13 अक्टूबर को विश्राम दिया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मां आनन्दी देवी में कथा विश्राम के दिन भक्तों ने जाना विभिन्श कथाओं को सुनकर मोक्ष का साधन

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कालपी (जालौन)- नगरी कालपी धाम के मध्य बिराजी लक्ष्मी स्वरूपा मां आनन्दी देवी के सजे धजे सुन्दर सतसंग भवन मे आयोजित सात दिवसीय संगीत मयी श्री मद भागवत कथा के सातवें दिन यानी अंतिम दिवस कथा वाचक व्यास पीठस्थ आचार्य शिवम द्विवेदी जी महाराज के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की सर्वोपरि लीला श्री रास लीला ,श्रीकृष्ण के मथुरा गमन की कथा, दुष्ट राजा कंस के अत्ययाचार से मुक्ति के लिए कंस बध , कुबजा उद्धार, रूक्मिणी विवाह,शिशुपाल बध, एवं सुदामा चरित्र की कथा सुनाकर भक्तों से भरे कथा मण्डप में उपस्थित भगवत प्रेमियों माताओं बहनों को भक्ति रस से सराबोर कर दिया ! नगर के मुहल्ला राम

आयोजित वार्षिक सात दिवसीय को विश्राम हो गया भागवत पुराण महापुराण की व्याख्या आचार्य शिवम ने श्रवण किया ! आचार्य शिवम् श्रीकृष्ण जी के वात्सल्य प्रेम असीम लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान समय व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज के दौरान भजन गायन ने उपस्थित लोगों कर दिया। आचार्य जी ने सुन्दर समाज से अपने को उस अनुरूप आचरण करने हिंसा से सम्भव नहीं हो सकता ।समाज रहता है इतिहास इसका साक्षी है। श्रीमद्भागवत महापुराण आत्मा जागृति भगवत प्राप्ति का साधन श्रीमद्भागवत जन्मांतरों के पापों का नाश होता है और चबूतरा में श्री आनन्दी देवी समिति के द्वारा श्रीमद भागवत कथा का गुरूवार 26-09-2024 कथा में चार बेद पुराण गीता एवं श्रीमद भागवत द्विवेदी जी महाराज के मुखारवृंद से उपस्थित भक्तों द्विवेदी द्वारा विगत सात दिनों तक भगवान प्रेम के अलावा उनके द्वारा की गई विभिन्न में समाज में व्याप्त अत्याचार अनाचार कटुता निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस को ताल एवं धुन पर नृत्य करने के लिए विवश के निर्माण के लिए गीता से कई उपदेश के माध्यम को कहा जो काम प्रेम के माध्यम से संभव है वह में कुछ लोग ही अच्छे कर्मों सदैव चिरस्मरणीय आचार्य शिवम् द्विवेदी ने कहा कलयुग में का साधन है।जीवन का उद्देश्य पाप से मुक्ति और महापुराण है।कथा के श्रवण करने से जन्म विष्णु लोक की प्राप्ति होती है। संसार में मनुष्य को सदा अच्छे कर्म करना चाहिए तभी उसका कल्याण संभव है।माता पिता के संस्कार ही संतान में आते हैं। संस्कार ही मनुष्य को महानता की ओर ले जाते हैं। श्रेष्ठ कर्म से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। अंहकार मनुष्य में ईर्ष्या पैदा कर अंधकार की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा मनुष्य को सदा सत्कर्म करना चाहिए और फल की इच्छा ईश्वर पर छोड़ देनी चाहिए ।मोक्ष का शास्वत साधन है श्रीमद्भागवत ।सात दिनों में सम्राट पारिक्षित को जब मोक्ष हुआ तो ब्रह्मा जी ने अपने लोक में एक तराजू लगाई ।जिसमें एक पलड़े में सारे धर्म और दूसरे में श्रीमद्भागवत को रखा तो भागवत का पलड़ा ही भारी रहा।अर्थात भागवत सारे वेद पुराण शास्त्रों का मुकुट है। कथा व्यास आचार्य शिवम् द्विवेदी ने एक से बढ़कर एक सुन्दर भजन प्रस्तुत किए जिनके संगीत सहयोगी आर्गन पर पवनगोस्वामी तबला पर रामजी चतुर्वेदी और सारंगी पर मनीलाल जी दतिया ने बहुत ही सुन्दर वादन कर उपस्थित भक्तों को नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। सम्पूर्ण पूजन एवं भागवत पाठ पंडित श्री मोहित चतुर्वेदी और अंकित तिवारी ने किया और पारीक्षित बाल किशन सोनी व उनकी धर्मपत्नी प्रेम लता से बिना विधान से धर्मानुष्ठान को सम्पन्न कराया! श्री आनन्दी देवी मंदिर के सदस्य अशोक बाजपेई धीरज पुरवार (भोला) दिप्पू बाबा राजेन्द्र तिवारी राजीव पुरवार बल्लू तिवारी अमित मिश्रा प्रदीप तिवारी अवधेश बाजपेई अमित पाण्डेय मनोज पाण्डेय श्याम किशोर सैनी(मतोली) गिरीश बाजपेई दिनेश सैनी गुड्डुन तिवारी जीतू सैनी अंकुर मिश्रा बिनोद रायक्कार बबलू पाड़े सेवाराम चना मनोज रायक्कार बिन्नी बाजपेई गणेश सैनी मदन वर्मा लखन खटीक अशोक वर्मा मनोज ओमरे अखिलेश वर्मा प्रशुभ पाण्डेय (कल्लू) आदि ने समस्त श्रोताबन्धुओं माताओं बहनों और कार्यकृम मे प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त किया और शुक्रवार 27-09-2024 को दोपहर दो बजे कन्या भोज के बाद आयोजित विशाल भंडारे में सभी धर्मानुरागी भक्त जनों को आमंत्रित किया !

स्वास्थ्य सेवाएं, विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई

मुरादाबाद मंडलायुक्त श्री आञ्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में मंडल में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी सीएमओ को निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच के लिए आशा और एएनएम की सक्रियता बढ़ाई जाए तथा जिन आशा और एएनएम के पास थर्मामीटर नही हैं उन्हे प्राथमिकता से उपलब्ध कराया जाए क्योंकि स्वास्थ्य जांच के लिए थर्मामीटर उनकी सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक है। टीबी रोगियों को चिन्हित करने का अभियान नियमित तौर पर चलाया जाए, मंडलायुक्त ने कहा कि चिन्हित क्षेत्र के साथ साथ विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कार्मिकों को भी जांच के दायरे में लाया जाए ताकि चिन्हित टीबी रोगियों को अनिवार्य रूप से ससमय उपचार प्रदान किया जा सके। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों को चिन्हित करने के लिए आशाएं सक्षम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम

रिस्क प्रेग्नेंसी और कुपोषित बच्चों का डेटा संचालित अस्पताल और अल्ट्रासाउंड सेंटरों के अस्पताल और अल्ट्रासाउंड सेंटरों के संचालकों अपनाते हुए कहा कि प्रभावी कार्यवाही के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी। विकास कार्यों के की शिकायतों को लेकर मंडलायुक्त ने कहा कि प्राथमिकता देनी होगी, गलत विद्युत बिलों की पड़ता है इसलिए सभी अधिशासी अभियंता विद्युत भविष्य में गलत विद्युत बिल की शिकायतों में मंडलायुक्त ने कहा कि जिलों में प्रतिबंधित रसायन लिए लगातार छापेमारी की कार्यवाही होनी के दौरान उन्होंने कहा कि विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र वाले प्रमुख मार्गो को दुरुस्त कराया जाए, खड़ंजा पंचायत सचिवालयों में भी ग्राम पंचायत के टीबी रोगियों, हाई व्यवस्थित होना चाहिए। गैर पंजीकृत एवं अवैध तरीके से विरुद्ध लगातार अभियान चलाने और मानकों के विपरीत के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सख्त रवैया जनपद स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारियों की अंतर्गत समीक्षा बैठक के दौरान विद्युत बिलों में अनियमितता गलत विद्युत बिलों में सुधार और शिकायतों के निस्तारण को वजह से विद्युत उपभोक्ताओं को समस्याओं का सामना करना अपने स्तर से प्रभावी कदम उठाएं और यह सुनिश्चित करें कि कमी होनी चाहिए। कृषि रक्षा रसायन की समीक्षा के दौरान एवं मानक के विपरीत बीजों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के चाहिए। मनरेगा के अंतर्गत विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा और आंगनबाड़ी केंद्र जैसे महत्वपूर्ण स्थल तथा गांव को जाने बनवाने के दौरान इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि बारिश के दौरान खड़ंजा के कटान अथवा खड़ंजा पर जल भराव जैसी समस्या न उत्पन्न होने पाए। विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के उपरांत निर्धारित अवधि तक उसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी संबंधित एजेंसी की होती है इसलिए निर्माण करने वाली एजेंसी गंभीरता पूर्वक निर्धारित शर्तों का पालन करें ताकि रखरखाव की समय अवधि के भीतर सड़क क्षतिग्रस्त होने की दशा में प्राथमिकता से उसका दुरुस्तीकरण संभव हो सके। जल जीवन मिशन के अंतर्गत मंडल में लक्ष्य के सापेक्ष निर्मित ओवरहेड टैंक की धीमी प्रगति पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जाहिर की तथा कहा कि अधिकारी गंभीरता पूर्वक एजेंसियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि परियोजनाओं का कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो जाए ताकि परियोजना का लाभ स्थानीय लोगों को प्राप्त हो। ग्राम पंचायत में कराए गए विभिन्न कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने पिछले तीन वर्षों में ग्राम पंचायतों में निर्मित अंत्येष्टि स्थलों की भौतिक स्थिति का सत्यापन कराने के लिए उपनिदेशक पंचायत को निर्देशित किया, इसके साथ ही ग्राम पंचायत में बनवाए गए पुस्तकालयों को बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि को बढ़ाने के लिए उपयोगी बनाने हेतु प्रभावी कदम उठाने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के आसपास मौजूद गोचर भूमि पर हरा चारा, नेपियर घास उगाई जाए ताकि गौशाला में संरक्षित गोवंश को हरे-चारे की आपूर्ति हो सके। राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मानकों के विपरीत संचालित हार है वाहनों के विरुद्ध जुर्माना और सीज करने की कार्यवाही करें साथ ही आबकारी विभाग के अधिकारी अवैध शराब पर रोकथाम के लिए लगातार छापेमारी भी करें। उन्होंने कहा कि निर्विवाद विरासत दर्ज न किए जाने के मामले भी संज्ञान में आ रहे हैं इसलिए तहसील स्तर पर निर्विवाद विरासत दर्ज करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मंडलायुक्त ने स्टाम्प चोरी के मामलों पर सख्त रवैया अपनाते हुए उन्होंने कहा कि सब रजिस्ट्रार के स्तर से स्टाम्प चोरी के मामलों को चिन्हित करने और उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही के लिए अभियान चलाया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी मुरादाबाद श्री अनुज सिंह, जिलाधिकारी रामपुर श्री जोगिंदर सिंह, जिलाधिकारी अमरोहा श्रीमती निधि गुप्ता वत्स, जिलाधिकारी संभल श्री राजेंद्र पैसिया, जिलाधिकारी बिजनौर श्री अंकित कुमार अग्रवाल, अपर आयुक्त श्री सर्वेश गुप्ता सहित सभी सीडीओ एवं अन्य संबंधित मंडलीय अधिकारी गण मौजूद रहे।

अवैध असलहा व कारतूसऔर देशी शराब के ठेके से चोरी की गयी 14 अदद शराब की पेंटी के साथ गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कालपी/जालौन जनपद जालौन एसपी डा दुर्गेश कुमार जालौन कुशल निर्देशन में जनपद में बेहतर कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण रोकथाम जैसे थाना सिरसा कलार क्षेत्र कू ग्राम जखा में स्थित सरकारी देशी शराब के ठेके से शराब की पेटियां चोरी होने की घटना के सम्बन्ध में बांदी द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर थाना सिरसा कलार में मु0अ0स0 152/2024 धारा 331(4)305(क) ब्नहस-पंजीकृत किया गया था। जनपद जालौन

में एसपी डा दुर्गेश कुमार कुशल निर्देशन में अपराध नियंत्रण रोकथाम जैसे वांछित अपराधी, वाहन चेकिंग, लुटेरे,वाहन चोर, लूट पाठ, संदिग्ध व्यक्ति एवं पतारसी सुरागरसी के दौरान मुखबिर की सूचना थाना सिरसा कलार पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए घटना में शामिल अभियुक्त उम्मेद सिंह/भूरे पाल पुत्र राम प्रकाश निवासी ग्राम जखा थाना सिरसा कलार जनपद जालौन को खोड़न तिराहे के पास से 01 अदद अवैध असलहा के साथ गिरफ्तार कर देशी शराब के ठेके से चोरी की गयी 14 अदद शराब की पेटियां की बरामदगी की गयी अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी गिरफ्तार करने बाली टीम प्रभारी निरीक्षक थाना सिरसा कलार मंय पुलिस टीम।

भाजपा महानगर उपाध्यक्ष विष्णु शर्मा पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

विश्व शर्मा भाजपा की महानगर टीम में भाजपा के महानगर उपाध्यक्ष है समाजवादी पार्टी से यह भाजपा में राजनीति करने आए और बरेली कॉलेज की छात्र राजनीति में भी काफी सक्रिय रहे बिजली विभाग की टीम ने श्री धर्मेंद्र पाल सिंह और प्रदीप कुमार ने सुबह 3ः30 बजे विष्णु शर्मा सन ऑफ कैलाश शर्मा निवासी साउथ सिटी पराग डेरी के सामने उनके प्रसार में जब बिजली चेक किया त चोरी करते पाए गए बिजली चोरी के अपराध से विष्णु शर्मा को मौके से अवगत कराया गया इसी संबंध में भाजपा महानगर उपाध्यक्ष विश्व शर्मा पर चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया ।।

अब खंड शिक्षा अधिकारी भी बन सकेंगे जीआईसी के प्रधानाचार्य, शासन ने बनाई पदोन्नति की नियमावली

जीआईसी में प्रधानाचार्य का पद राजपत्रित होता है। इसके 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से भरे जाते हैं। प्रधानाचार्यों की भर्ती पीसीएस के साथ होती है और ग्रेड पे- 5400 का होता है। इसके अलावा 50 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरने का नियम है, लेकिन पिछले एक दशक से यह विवादित है, इसलिए पदोन्नति प्रक्रिया ठप है।बेसिक शिक्षा परिषद में तैनात खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) भी अब पदोन्नत होकर राजकीय इंटर कॉलेजों (जीआईसी) के प्रधानाचार्य बन सकते हैं। इसके लिए शासन से नियमावली तैयार कर दी गई है। उसे स्वीकृति के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी ।जीआईसी में प्रधानाचार्य का पद राजपत्रित होता है। इसके 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से भरे जाते हैं। प्रधानाचार्यों की भर्ती पीसीएस के साथ होती है और ग्रेड पे- 5400 का होता है। इसके अलावा 50 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरने का नियम है, लेकिन पिछले एक दशक से यह विवादित है, इसलिए पदोन्नति प्रक्रिया ठप है।कई प्रवक्ता प्रधानाचार्य बनने का इंतजार करते-करते रिटायर हो गए। इन पदों को 61 प्रतिशत पुरुष और 22 प्रतिशत महिला जीआईसी प्रवक्ता से और 17 प्रतिशत डीआई की पदोन्नति से भरने का नियम है। डीआई का पद खत्म हो चुका है। एसडीआई का पद खत्म करके बीईओ पद बनाया गया। बीईओ बनने वालों ने डीआई की तरह की पदोन्नति से जीआईसी का प्रिंसिपल बनने की मांग की थी। इसका मामला कई वर्ष से शासन लंबित था। बीईओ को पदोन्नति से प्रधानाचार्य बनाने लिए शासन में कई दौर की बैठक हुई। इसके बाद पदोन्नति के लिए कोटा में बदलाव कर दिया गया है। अब 33 प्रतिशत पुरुष, 33 प्रतिशत महिला प्रवक्ता और 34 प्रतिशत बीईओ पदोन्नत होकर प्रधानाचार्य बन सकेंगे। अपर निदेशक राजकीय अजय द्विवेदी ने बताया कि राजकीय विद्यालयों में महिला प्रवक्ताओं की संख्या बढ़ी है, इसलिए उनका कोटा 22 से 33 प्रतिशत कर दिया गया है। बीईओ की भी संख्या बढ़ी है, इसलिए उनका कोटा डीआई के स्थान पर 17 से बढ़ाकर 34 फीसदी कर दिया गया है। पुरुष प्रवक्ताओं की संख्या कम होने पर उनका कोटा घटाया गया है। उन्होंने बताया कि इसे स्वीकृति के लिए यूपीपीएससी भेजा गया है। शुरू हो गया नियमावली का विरोध- प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति के लिए बनाई गई नियमावली का विरोध शुरू हो गया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पैसों के लेनदेन को लेकर हुई मारपीट पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने नहीं की कोई कार्यवाही पीड़िता पहुंची एसएसपी कार्यालय

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

मुरादाबाद थाना मझोला का एक मामला सामने आया है जहां की रहने वाली पीड़िता ने कुछ लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है दरअसल थाना मंझोला ज्ञानी वाली बस्ती लाइनपार निवासी कंचन देवी पत्नी प्रदीप कश्यप ने मुरादाबाद एसएसपी कार्यालय पहुंचकर मारपीट करने वाले लोगों के एक शिकायती पत्र सोफा है दरअसल दिए गए

शिकायती पत्र में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक महिला जिसका नाम पूनम है उसने मुझसे कहा कुछ महिलाओं को इकट्ठा करो और मेरा पैसा कमेटी पर बटवा दो पीड़िता का कहना है कि मेने कुछ महिलाओं को इससे मिलवा दिया लेकिन मुझे नहीं पता कि इसने किसको पैसे दिए या किसको पैसे नहीं दिए फिर भी मैंने कहा कि दो-तीन दिन का समय दो मैं उन लोगों से बात कर लूंगी पीड़िता का कहना है कि बस इतनी सी बात थी लेकिन इसने अपनी लड़की और कुछ लोगों के साथ मिलकर मुझे मारना पीटना शुरू कर दिया पीड़िता का यह भी आरोप है कि इस मामले में मेने पुलिस से शिकायत की तो पुलिस ने मेरी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की फिलहाल पीड़िता ने मुरादाबाद एसएसपी कार्यालय पहुंचकर मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ एक शिकायती पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है

रामपुर में रिश्वतखोर लेखपाल पकड़ा: किसान से मांग रहा था चार हजार, गिरफ्तार किया तो टीम से मांगने लगा माफी

बिलासपुर में लेखपाल को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। लेखपाल ने किसान से राजस्व अभिलेखों में वारिसों का नाम दर्ज करने के लिए चार हजार की मांग की थी। एंटी करप्शन टीम ने बिलासपुर तहसील के लेखपाल कविंदर कुमार को किसान से रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। ग्राम नवाबगंज निवासी किसान दीपक डोभाल ने टीम से

लेखपाल की शिकायत की थी। इसमें बताया था कि उसके पिता की मृत्यु हो चुकी है।राजस्व अभिलेखों में वारिसों का नाम दर्ज करने के नाम पर लेखपाल कविंदर कुमार घूस मांग रहा है। किसान की शिकायत पर टीम ने अपना जाल बिछाया। बृहस्पतिवार दोपहर करीब एक बजे लेखपाल ने किसान से तहसील के पास स्थित कमरे में चार हजार लिए। इसी दौरान एंटी करप्शन टीम ने आरोपी लेखपाल को रंगे हाथ दबोच लिया। टीम बाद में उसे कोतवाली ले आई है।

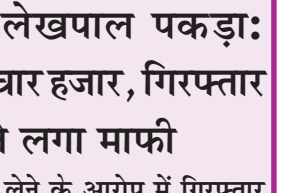

आगामी त्यौहार दुर्गा पूजा को लेकर पीस कमेटी की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। भंगहा पुलिस चौकी पर पीस कमेटी की बैठक क्षेत्राधिकारी संतोष कुमार की अध्यक्षता में आहूत की गई जिसमें आगामी नवरात्रि पर्व को देखते हुए भाईचारा के साथ मिलजुल कर त्यौहार मनाने की हिदायत दी गई। इस दौरान क्षेत्राधिकारी ने कहा अगर किसी के द्वारा शांति व्यवस्था में उपद्रह किया गया तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा गंगा जमुनी की तहजीब बनी रहे और पर्व को शांतिपूर्वक भाईचारे के साथ मनाया जाए। क्षेत्राधिकारी ने मूर्ति विसर्जन के लिए भी दिशा निर्देश दिए।

पीड़ित ने कोटेदार पर लगाये गम्भीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती/ थाना क्षेत्र मल्हीपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर जब्दी के मजरा रत्न पुरवा निवासी बकरीदी पुत्र अली रजा ने जिला पूर्ति अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कोटेदार के खिलाफ गम्भीर आरोप लगाया है । राशन वितरण में धर्म काटे पर राशन वजन की जगह पर पत्थर रखकर वजन करते है, और अंगूठा लगवा लेते है, कोटेदार मुंशरीफ पुत्र

झोथू राशन देने से टालमटोल करता है । राशन नही देते है, और दूसरे माह में राशन देते है । कई बार दुकान का चक्कर लगाने के बाद कोटेदार राशन देने से इनकार कर देते है । लोगों के साथ अभद्रता करके दुकान से भगा देते है । बकरीदी ने उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है । दोषी कोटेदार के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है ।

थूक कर रोटी बनाने वालों की अब खैर नहीं, प्रशासन के इस आदेश से मची खलबली

थूक लगाकर रोटी बनाने वालों पर अब कड़ी निगरानी रखी जाएगी। प्रशासन ने सख्त गाइडलाइन जारी कर दी है। थूक लगाकर रोटी बनाने के मामले सामने आने के बाद खाद्य विभाग ने होटलों और ढाबों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश जारी कर दिया है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को डीवीआर भी उपलब्ध करानी होगी। इसके साथ ही लाइसेंस बाहर चस्पा कराना होगा। होटल में खाना बनाने वाले कारीगरों को दस्ताने और एप्रन का इस्तेमाल करना होगा।जिले में 173 होटल एवं रेस्टोरेंट के साथ ही ढाबों का खाद्य विभाग कार्यालय में पंजीकरण है। इनमें से 41 बड़े होटल एवं रेस्टोरेंट हैं, जबकि 132 छोटे प्रतिष्ठान हैं। इनमें अधिकांश में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इन खाद्य प्रतिष्ठानों में खाना बनाने और परोसने वाले लोग दस्ताने व एप्रन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। खाद्य विभाग की ओर से सभी होटल संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान संचालकों को डीवीआर उपलब्ध करानी होगी। निर्देशों का पालन न करने वाले होटल एवं रेस्टोरेंट का लाइसेंस रद्द कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।ऐसा नहीं किया तो होगी कार्रवाई होटल, रेस्टोरेंट व ढाबा संचालकों को सीसीटीवी कैमरे लगाने और लाइसेंस प्रतिष्ठान के बाहर चस्पा कराने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान रसोई में बिना दस्ताने या एप्रन के खाद्य पदार्थ बनाते हुए मिलने पर विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी। – मानवेंद्र सिंह, सहायक खाद्य आयुक्त

आप प्रत्याशी पर हमले के मामले में हिस्ट्रीशीटर को उम्रकैद, कोर्ट ने 50 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया

बरेली में नवंबर 2021 में हिस्ट्रीशीटर ललित सक्सेना ने अपने साथियों के साथ मिलकर आप प्रत्याशी कृष्णा भारद्वाज पर हमला किया था। इसकी रिपोर्ट इज्जतनगर थाने में दर्ज कराई थी। इस मामले में गुरुवार को कोर्ट ने हिस्ट्रीशीटर ललित सक्सेना को उम्रकैद की सजा सुनाई। उस पर अर्थदंड भी लगाया गया। बरेली के अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक प्रथम कोर्ट रवि कुमार दिवाकर ने आम आदमी पार्टी की शहर विधानसभा सीट से प्रत्याशी कृष्णा भारद्वाज पर हमले के आरोपी हिस्ट्रीशीटर ललित सक्सेना को उम्रकैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने में देरी के लिए सीओ प्रथम स्वेता यादव की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। ललित सक्सेना पीलीभीत बाइपास कांड में भी आरोपी है। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 20 संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना इज्जतनगर के मोहल्ला होली चौक परतापुर चौधरी निवासी चंद्रशेखर भारद्वाज की पत्नी कृष्णा भारद्वाज विधानसभा चुनाव 2022 में शहर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी थीं। 21 नवंबर 2021 को शाम सात बजे वह चुनाव प्रचार से वापस लौट रही थीं। रास्ते में कुदेशिया फाटक के पास हिस्ट्रीशीटर ललित सक्सेना ने अपने तीन चार साथियों के साथ उनकी कार को घेर लिया। कृष्णा भारद्वार को कार से खींचने के बाद जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। इसमें वह गंभीर घायल हो गईं। चंद्रशेखर भारद्वाज ने इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अभियोजन पक्ष की ओर से छह गवाह पेश किए गए। कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों और गवाहों को सुनने के बाद गुरुवार को हमले के दोषी ललित सक्सेना को उम्रकैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। कोर्ट ने यह भी कहा कि ललित सक्सेना जैसे पेशेवर अपराधियों और माफिया पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

खाद संकट: मैनपुरी में डीएपी के लिए सुबह चार बजे से किसान लगा रहे हैं लाइन, दिनभर खड़े रहकर भी खाली हाथ

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में किसानों के लिए खाद का संकट गहरा गया है। डीएपी के लिए किसान सुबह से लाइन में लग रहे हैं। कुछ का नंबर आ रहा है, तो वहीं बड़ी संख्या में किसान खाली हाथ रह जा रहे हैं। मैनपुरी के घिरोर में फोटो में नजर आ रही ये लाइन किसी और काम के लिए बल्कि डीएपी लेने के लिए लगी है। सुबह चार बजे से ही सरकारी और निजी उर्वरक की दुकानों पर ऐसी ही लाइनें लग रही हैं। इसके बाद भी किसानों को डीएपी नहीं मिल पा रही है। वहीं दूसरी तरफ निजी दुकानदार डीएपी के साथ दूसरे उर्वरक खरीदने का भी दबाव बना रहे हैं। आलू की बुवाई के लिए किसानों को डीएपी की जरूरत पड़ने लगी है। खेतों में मेहनत करने के साथ ही डीएपी के लिए अलग से उन्हें मेहनत करनी पड़ रही है। कस्बा घिरोर स्थित कृषक भारती सेवा केंद्र मैनपुरी रोड पर डीएपी के लिए सुबह 4 बजे से किसान लाइन में लग जाते हैं। छह घंटे बाद सुबह 10 बजे वितरण शुरू होता है। नंबर आते-आते खाद खत्म होने से किसान खाली हाथ ही लौटते हैं। बीते दो दिनों से किसानों को ऐसी ही परेशानी झेलनी पड़ रही है। किसान सुनील कुमार बताते हैं कि दोनों दिन वे लाइन में लगे, लेकिन उन्हें डीएपी नहीं मिल सकी। वहीं बृहस्पतिवार को केंद्र बंद रहने से डीएपी का वितरण ही नहीं हुआ। किसानों ने डीएम से डीएपी की व्यवस्था कराने और नियमानुसार वितरण कराने की मांग की है। मांग करने वालों में किसान अंकित शर्मा, अनिल कुमार, प्रवीन कुमार, मोहित, सुरेश चंद्र, विपिन, अनुरुद्ध प्रताप आदि शामिल हैं। पोटाश, जिंक और जाइम खरीदने का है दबाव- सरकारी केंद्रों पर जहां डीएपी उपलब्ध नहीं हो पा रही है तो वहीं निजी दुकानदारों के अपने नखरे हैं। दरअसल अधिक कीमत वसूलने पर प्रशासन सख्त है, इससे बचने के लिए दुकानदारों ने नया फंडा अपनाया है। वे किसानों को डीएपी के साथ जिंक, पोटाश या जाइम साथ में लेने के लिए बाध्य कर रहे हैं। ये उर्वरक निम्न स्तरीय होते हैं, लेकिन इसके नाम पर अधिक कीमत वसूल की जाती है। अगर कोई ये नहीं लेता है तो उसे डीएपी भी नहीं दी जाती है।

कुशीनगर जाली नोट कांड: काली कमाई से टेंपो चालक रफी ने जमाई सियासी धमक... पूर्व डीएम के नाम से चलाता था फेसबुक

जाली नोटों और अवैध असलहों के अलावा तमाम गैरकानूनी धंधों में लिप्त सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव रफी खान बबलू का बचपन मुफलिसी के अंधेरों में गुजरा। सेल्स टैक्स के बैरियर पर पर्ची काटने और टेंपो चलाकर परिवार का खर्च चलाने वाला रफी खान जब काली कमाई की राह पर उतरा तो एक दशक में अकूत संपत्ति जुटाकर सियासी गलियारों तक अपनी धमका जमा ली। बस्ती जिले के रहने वाले मोहम्मद हनीफ तीन दशक पहले तमकुहीराज कस्बे के पशु अस्पताल में स्टॉक मैन थे। बाद में शादीशुदा हनीफ ने यहीं की एक युवती से शादी कर गुदरी मोहल्ले में जमीन खरीदकर मकान बनवा लिया। दूसरी पत्नी से रफी खान समेत दो बेटे हुए। रफी का भाई असमय चल बसा था। रफी की पढ़ाई तमकुहीराज के शिशु मंदिर, भटवलिया के फतेह मेमोरियल इंटर कॉलेज और सेवरही के किसान पीजी कॉलेज से हुई। पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी रफी पर आ गई। शुरुआती दिनों में आमदनी बहुत कम थी और परिवार मुफलिसी के दौर से गुजरने लगा। रफी हाईवे के गाजीपुर स्थित सेल्स टैक्स बैरियर के फॉर्म दफ्तर में काम करने लगा। वह सामान लदे भारी वाहनों का प्रपत्र भर कर बिहार, आसाम, बंगाल आदि स्थानों पर भेजने का काम करता था। इसके बाद ट्रांसपोर्ट के धंधे में घुसा तो बिहार में उसकी पकड़ बढ़ती गई। उसने वैध-अवैध कामों से कमाई शुरू कर दी। लोगों से दूरी बनाकर रहने वाला रफी खान अचानक कस्बे के लोगों से संपर्क बनाने में जुट गया और उसका दायरा बढ़ता गया। वह जब भी तमकुहीराज कस्बे में रहता घर पर कम ही भोजन करता था। करीबियों के साथ बाहर ही महफिलें सजतीं और दावत का इंतजाम होता था। काली कमाई जैसे-जैसे बढ़ती गई, उसने सियासी दलों के ताकतवर नेताओं को भी उसने साध लिया। इस समय रफी के साथ नेताओं के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। देशभर में घूमता रहता था रफी- जिंदगी ने करवट बदली तो रफी उर्फ बबलू खान ने तरया रोड पर मकान का निर्माण करा लिया। उसका नाम खान कांप्लेक्स नाम रखा। पुराने मकान में बबलू के भाई का परिवार रहता है। काले कारनामों को सफेद करने के लिए रफी ने कई प्रांतों में नेटवर्क फैला रखा था और राजनीति में सक्रिय हो गया था। विलासपूर्ण जीवन का शौकीन रफी नेपाल, गुजरात, कश्मीर, मुंबई, राजस्थान, असम, बंगाल आदि की यात्राएं करता रहता था। रफी के जेल जाने के बाद कस्बे में उसके आगे-पीछे घूमने वाले लोग भूमिगत हो गए हैं। पूर्व डीएम के नाम से चलाता था फेसबुक पेज- जाली नोटों के गैंग से जुड़े जिन लोगों को पुलिस ने ट्रेस किया है। उनमें अधिकतर बिहार के रहने वाले हैं। इनके संपर्कों को पुलिस खंगाल रही है और अवैध धंधे में शामिल लोगों के तार जोड़ रही है। रफी के साथ गिरफ्तार मीर औरंगजेब पर गैंगरेप समेत 15 केस दर्ज हैं। उसका भी कई नेताओं के साथ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हो रहा है। यह गैंग जिले में डीएम रहे रिग्जियान सैंफिल के नाम से फेसबुक पेज चलाता रहा है। डीएम के नाम पर लोगों को गुमराह भी करता है। पुलिस ने इसे भी जांच भी शामिल किया है।

मऊ में अवैध अस्पताल पर एक्शन: वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पहुंची टीम, जांच में खुली पोल; मकान मालिक को नोटिस

मऊ जिले में मरीज को निजी अस्पताल में भर्ती करा कर ऑपरेशन कराने पर दो महिला कर्मियों के बीच मारपीट का वीडियो वायरल हुआ। इसका संज्ञान लेते हुए जांच टीम मौके पर पहुंची तो अस्पताल अवैध मिला। मऊ शहर कोतवाली क्षेत्र के भीटी के पास एक अस्पताल पर गुरुवार को जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के साथ पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान वहां कोई चिकित्सक नहीं पाया गया। सीटी मजिस्ट्रेट ने मकान मालिक को नोटिस जारी किया। सीएमओ को पत्र लिखकर अस्पताल के पंजीकरण की जांच के लिए आदेश दिया।यह है मामला- सीटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र कुमार ने बताया कि बीते दिनों नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के निषाद नगर निवासी एक महिला पूजा को प्रसव पीड़ा होने के बाद महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सक ने जांच के दौरान प्रसव के लिए एक सप्ताह का समय दिया था। गर्भवती के घर पहुंचने के दौरान उसी बीच एक महिला उसके घर पहुंच गई। गर्भवती की जांच कर बताया कि उसकी हालत गंभीर है। उसे जल्द से जल्द अस्पताल में भर्ती कर ऑपरेशन कराना होगा। जच्चा और बच्चा दोनों को खतरा है। परिजनों ने परेशान होकर गर्भवती को भीटी के एपेक्स अस्पताल में भर्ती कर उसी दिन ऑपरेशन करा दिया। इसकी जानकारी होने पर महिला अस्पताल ले जाने वाली शीला और गर्भवती को घर से अस्पताल लाने वाली सीमा के बीच मारपीट होने लगी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो का संज्ञान में लेकर गुरुवार को सीटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र कुमार, शहर कोतवाल अनिल कुमार सिंह और एसीएमओ डॉ. आरएन सिंह के साथ अस्पताल पहुंचे। जांच के दौरान अस्पताल का संचालन किराये के भवन में पाया गया। मौके पर अस्पताल का चिकित्सक नहीं पाया गया। बिना नक्शे के अस्पताल का संचालन पाया गया। जिसके बाद मकान मालिक को नोटिस दिया गया। क्या बोले अधिकारी- जांच के दौरान अस्पताल का चिकित्सक नहीं पाया गया है। अस्पताल का संचालन बिना नक्शे के ही हो रहा था। मकान मालिक को नोटिस जारी कर दिया गया है। सीएमओ को पत्राचार के माध्यम से अस्पताल के पंजीकरण की जांच करने को कहा गया है।- - बृजेंद्र कुमार, सीटी मजिस्ट्रेट अस्पताल के निरीक्षण के दौरान चिकित्सक नहीं पाया गया। अस्पताल के पंजीकरण की जांच हो रही है। उससे संबंधित दस्तावेज प्रशासन को दिया जाएगा।- - डॉ. आरएन सिंह, एसीएमओ

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे – 9077776991

संक्षिप्त समाचार

चिराग पासवान बोले : हरियाणा में बनेगी भाजपा की मजबूत सरकार, विपक्ष के लोग जनता को कर रहे गुमराह

लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष के लोग जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। जब रिजल्ट आएगा तो सब साफ हो जाएगा। हरियाणा की जनता भाजपा की मजबूत सरकार बनाने जा रही है। कंगना रनौत द्वारा किसान आंदोलन के संबंध में दिए गए बयान के सवाल पर वह अभिनेत्री का बचाव करते नजर आए और गोल मोल जवाब देकर बचने की कोशिश की।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बृहस्पतिवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां से वह मूरतगंज कौशाम्बी के लिए रवाना हुए। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि हरियाणा में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। विपक्ष के लोग जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। जब रिजल्ट आएगा तो सब साफ हो जाएगा। हरियाणा की जनता भाजपा की मजबूत सरकार बनाने जा रही है। कंगना रनौत द्वारा किसान आंदोलन के संबंध में दिए गए बयान के सवाल पर वह अभिनेत्री का बचाव करते नजर आए और गोल मोल जवाब देकर बचने की कोशिश की। प्रयागराज एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से चिराग पासवान मूरतगंज कौशाम्बी के लिए रवाना हो गए। मूरतगंज पहुंचने पर तेज बारिश हो रही थी। झमाझम बारिश के बीच उन्हें गार्ड आफ ऑनर दिया गया।

बरेली में नई पेंशन स्कीम के विरोध में प्रदर्शन, कर्मचारियों ने कलक्ट्रेट तक निकाला आक्रोश मार्च

बरेली में कर्मचारी संगठनों ने गुरुवार को नई पेंशन स्कीम के विरोध में प्रदर्शन किया। अटेवा के बैनर तले आक्रोश मार्च निकाला। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया गया। बरेली में ऑल टीचर्स एंड एम्प्लाई वेलफेयर ऐसोसिएसन (अटेवा), पेंशन बचाओ मंच व अन्य संगठनों की ओर से गुरुवार को सेठ दामोदर पार्क स्वरूप पार्क से आक्रोश मार्च निकाला गया। पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारी केवल पुरानी पेंशन से ही संतुष्ट होंगे। नारेबाजी करते हुए कर्मचारियों ने कलक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया।देशभर में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन (एनमॉप्स) की ओर से आक्रोश मार्च निकाला जा रहा है। इसमें कर्मचारी से लेकर शिक्षक तक सभी शामिल हुए। विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि एनपीएस के स्थान पर यूनिफाइड पेंशन स्कीम लाकर सरकार ने यह साबित कर दिया है कि एनपीएस की व्यवस्था पूरी तरह से गलत थी। 20 वर्षों तक एनपीएस के कारण अर्थव्यवस्था और कर्मचारी दोनों को ही नुकसान हुआ है। ऐसे ही यह यूनिफाइड पेंशन स्कीम भी कुछ समय के बाद देश और कर्मचारियों के लिए अहितकर साबित होगी। मंडलीय संगठन मंत्री भूपसिंह ने बताया कि कलक्ट्रेट तक पैदल मार्च के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया गया।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रही जमकर बंदर बांट

आवास के नाम पर बैंक के बाहर वसूली की जा रही पांच 5000 की रक़म ,ग्रामीणों ने लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच
अमरीक सिंह

जनपद बहराइच के निहाल सिंह पूर्व ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्राम प्रधान व सचिव के द्वारा बैंक के बाहर 5000 वसूली का मामला सामने आया है। जब की प्रधानमंत्री की ये योजना बिलकुल मुफ्त है परन्तु ग्राम पंचायत प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए ग्रामीणों से अबैध धन बसूली कर रहे है ये अबैध बसूली बन्दर बाट के तहत ग्रामीणों की कोई सूनावाही नहीं हो रही जब ग्रामीणों ने इसकी शिकायत दूरभाष के द्वारा उच्च अधिकारियों से की लेकिन इस पर कोई भी अधिकारी ध्यान नहीं दे रहा है क्यूंकि लगता है की बन्दर बाट तो सब जगह है सूत्रों की माने तो इस बन्दर बाट का एक हिस्सा अधिकारियो को भी जाता है इसी लिए लगता है की कार्यवाही होना थोडा मुस्किल है अगर उच्च अधिकारियों इस प्रकरण पर विशेष ध्यान दे तो इस बन्दरबाट का अंत हो तो कुछ राहत ग्रामीणों को मिले ग्रामीणों का ये आरोप है की ग्राम प्रधान अपनी दबंगई दिखता हुआ प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रत्येक आवास पर5000 की वसूली करवा रहा है।

डिप्थीरिया(गला घोटू) बीमारी से बचने के लिए छात्र/छात्राओ के टीकाकरण का फीता काटकर शुभारंम्भ किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सर्वोदय इण्टर कॉलेज उरई में डिप्थीरिया(गला घोटू) बीमारी से बचने के लिए छात्र/छात्राओ के टीकाकरण का फीता काटकर शुभारंम्भ किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय जी ने बताया कि डिप्थीरिया (गला घोटू) इस बीमारी मे बच्चे

को जुखाम खासी के साथ गले में सूजन आ जाने के कारण जाली सी वन जाती है जिससे बच्चे को सांस लेने में परेशानी होती है दम घुटने से बच्चे की मृत्यु हो जाती है। इस बीमारी से वचाव का एक मात्र उपाय, नियमित टीकाकरण मे डेढ माह, ढाई माह तथा साढे तीन माह पर डी0पी0टी0 की तीन डोज तथा (16-24 माह) प्रथम बूस्टर एवं 5 वर्ष पर द्वितीय बूस्टर डोज, तथा 10 वर्ष एवं 16 वर्ष पर टी0डी0 का टीका लगाया जाता है। किसी कारण से टीका छूट जाने पर उसी अन्तराल में डी0पी0टी0 का बूस्टर डोज लगाई जाती है।उन्होंने कहा कि अत्यधिक खतरे के कारण जनपद के ब्लाक डकोर एवं कोंच मे दिनांक 26,27,30 सितम्बर 01,03 तथा 4 अक्टूबर 2024 को 5 वर्ष, 10 वर्ष, तथा 16 वर्ष के छूटे हुये बच्चो को डिप्थीरिया/गला घोटू बीमारी के बचाव हेतु स्कूल आधारित टीकाकरण अभियान चलाया जाना है। उन्होंने कहा कि जिन बच्चो को डी0पी0टी0 का टीका नही लगा है वे अपने एवं अपने अडोस-पडोस के 5 वर्ष, 10 वर्ष एवं 16 वर्ष के बच्चो का गला घोटू जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिये डी0पी0टी0 टीका अवश्य लगवाये। उन्होंने कहा कि आप अपने क्षेत्र के लोगो को डिप्थीरिया टीकाकरण के बारे मे जानकारी अवश्य दे मुझे पूरा विश्वास है कि आपके डिप्थीरिया टीकाकरण के प्रति जनता मे विश्वास बढेगा तथा आपके सद प्रयासो से टीकाकरण के प्रति जनसमान्य के अन्दर व्याप्त भ्रान्तियो को दूर कर अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सके।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

दिल्ली- खाद्य पदार्थों में मिलावट खोरों पर जिलाधिकारी के सख्त तेवर कहा कि अभियान चलाकर सरसों का तेल, मसाले, दूध, पनीर, घी, मिठाई, बेसन आदि खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाएं और जांच कराई जाए, जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आम जनमानस को सुरक्षित एवं मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो तथा गुणवत्तापरक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु प्रतिष्ठानों

पर निरन्तर कार्यवाही करते हुए खाद्य पदार्थों विशेषकर बेसन, चावल, सरसों का तेल, खोवा, घी, एवं सब्जियों तथा प्रतिबंधित दवाईयों के नमूनें संग्रहित कर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि कोई भी प्रतिष्ठान बिना लाईसेस/पंजीकरण के संचालित न हो सकें तथा विभाग द्वारा कैम्प लगाकर सभी खाद्य एवं औषधि प्रतिष्ठानों को लाईसेंस से अच्छादित करें। उन्होंने कहा कि आबकारी अधिकारी समस्त शराब की दुकानों का खाद्य लाईसेंस बनवाना सुनिश्चित करें। जनपद में संचालित समस्त होटल/रेस्टोरेन्ट/ढाबे के परिसर सी0सी0टी0बी0 कैमरे लगवाये जाएं तथा किचिन व परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखें। किसी भी दशा में मिलावटी व गुणवत्ताविहीन खाद्य पदार्थों बिक्री न हो। उन्होंने कहा कि संचालित मेडिकल स्टोर्स और क्लीनिकों पर औषधि निरीक्षक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को संयुक्त टीम बनाकर औचक निरीक्षण करने और प्रतिबंधित दवाओं की सूची लेकर बिक्री न होने पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन से सम्बंधित जनपद में स्थापित औषधि विक्रेताओं पर निरीक्षण एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दवाईओं की दुकानों पर सी0सी0टी0बी0 कैमरे व कम्प्यूटरीकृत बिलिंग का अनिवार्य रूप से पालन किया जायें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा, अभिहित अधिकारी जतिन सिंह, औषधि निरीक्षक आदि सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अजय गौतम बने सपा मजदूर सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

उरई,जालौन - समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति और प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की संस्तुति से अजय गौतम (योगा महाराज) को समाजवादी मजदूर सभा का

प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश अध्यक्ष धनीलाल श्रमिक ने की। अजय गौतम की नियुक्ति से पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। उन्हें पार्टी और मजदूर वर्ग के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए जाना जाता है। गौतम लंबे समय से समाजवादी पार्टी के साथ जुड़े रहे हैं और योग और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि अजय गौतम अपने नए दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे, जिससे समाजवादी पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष धनीलाल श्रमिक ने कहा, अजय गौतम के अनुभव और समर्पण से मजदूर सभा को नया जोश मिलेगा और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। अजय गौतम ने अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पार्टी की नीतियों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

कृषकों, मिलर्स एवं व्यापारियों के लिये एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कालपी(जालौन)- कृषि क्षेत्र में एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण पहल के रूप में, कृषि भंडारण और वित्तपोषण के नवीनतम पहलुओं पर केंद्रित एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उ0प्र0 राज्य भण्डार गृह, कालपी, जालौन के परिसर में इंदिरा गांधी सहकारी प्रबंध संस्थान, लखनऊ द्वारा WDRA, नयी दिल्ली के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना और उन्हें आधुनिक कृषि अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ना है। साथ ही किसानों को अपनी उपज का बेहतर प्रबंधन करने, वित्तीय सुरक्षा प्राप्त करने और बाजार में मजबूत स्थिति हासिल करने में मदद करना है। यह कार्यक्रम किसानों, कृषि व्यवसायियों, बैंकरों और कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य हितधारकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। मो0 मिन्जार, कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है तथा किसानों, व्यापारियों व मिलर्स के लिए विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही हैं। भंडार गृह में रखे गए अनाज पर आसान व कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें किसानों से प्रतिदिन के हिसाब से ब्याज लगता है, इसके लिए सिर्फ किसान द्वारा भंडारगृह में रखे अनाज की रसीद लगती है। भंडार गृह में रखे अनाज की कीमत का 75 प्रतिशत मूल्य का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। मो0 मिन्जार द्वारा ई-किसान उपज निधि के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यक्रम में बोलते हुए एक्सिस बैंक के रिलेशनशिप मेनेजर श्री अमित सिंह ने कृषक मिलर्स एवं व्यापारियों को मिलने वाले लोन के बारे में विस्तार से बताया । भंडार गृह, प्रभारी श्री रविन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि किसानों के लिए सरकार भंडार गृह में उपज/अनाज रखने पर 30 प्रतिशत किराये में छूट दे रही है। साथ ही कार्यक्रम में आए लोगों को गोदाम भंडारण में उपयोग होने वाले यंत्रों व दवाइयों के उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान की गई। श्री अनंत पाण्डे, मैनेजर व्यवसाय विकास एन0ई0आर0एल0 ने उपज के जमा एवं निकासी की प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक रसीद (ई0एन0डब्ल्यू0आर0) पर विस्तृत जानकारी दी। किसानों को बताया गया कि फसल व्यवस्था के अनुसार रसीद प्रदान की जाएगी जिसमें उत्पाद के पूरे विवरण का उल्लेख होगा एवं किसान इस रसीद को किसी को भी ट्रांसफर कर सकता है। इस रसीद को बैंक में गिरवी रखकर प्रचलित दरों पर लोन भी प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, नितेंद्र यादव, अरुण यादव, ब्रिजराज यादव, जैनेन्द्र, श्याम, प्रकाश चन्द्र, विष्णु बिहारी, गोपाल शरण, अतर सिंह एवं कुञ्ज बिहारी आदि उपस्थित रहे। । भंडार गृह, प्रभारी श्री रविन्द्र कुमार सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस जागरूकता कार्यक्रम के सफल आयोजन से किसानों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ, जो भविष्य में कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा।

संक्षिप्त समाचार

निल राजपूत राष्ट्रीय सनातन संस्कृति RSS के राष्ट्रीय सचिव प्रभारी कानपुर मंडल नियुक्त किए गए

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। राष्ट्रीय सनातन संस्कृति ऋस् के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास कुमार गोंड जी की सहमति पर ऋस् के प्रमुख महासचिव अमन अवस्थी के जनपद के मुकेश राजपूत अनिल राजपूत सनातन संस्कृति सचिव प्रभारी नियुक्त किया

द्वारा फर्रुखाबाद माननीय सांसद जी के प्रतिनिधि जी को राष्ट्रीय ऋस् का राष्ट्रीय कानपुर मंडल गया । नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव ने बताया की संगठन अपने उद्देश्यों को जन जन तक पहुंचाते हुए संगठित हिंदू मजबूत हिंदू की रणनीति पर लगातार कार्य करता रहेगा और हिंदू समाज को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा ।

जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति/जिला पर्यावरण समिति/ जिला वृक्षारोपण समिति बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी संयोजक सदस्य द्वारा सर्वप्रथम जिला गंगा समिति बैठक की समीक्षा एजेंडा बिंदु के अनुसार की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों को समय से अनुपालन आख्या भेजने के निर्देश दिए गए। समस्त नगर निकाय व बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा को निर्देश दिए गए कि वह समय- समय पर स्कूल कॉलेजों में गंगा संरक्षण, जागरूकता कार्यक्रम आर्ट प्रतियोगिता स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रम आयोजित कर सूचना प्रभागीय वनाधिकारी को भेज दे। नगर निकायों को निर्देश दिए गए कि नदियों में गंदा पानी न छोड़ा जाए, जो उद्योग प्रदूषित जल सीधे नदी में छोड़ रहे उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाए। जिसके पश्चात् पर्यावरण समिति बैठक की कार्यवाही शुरू की गई। बैठक में समस्त खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी ग्रामों में बने ऋष्ट सेंटर को निर्माण कार्य पूर्ण कर संचालित करा ले तथा जो निर्माणाधीन है उनको जल्द से जल्द संचालित कर लिया जाए। कृषि अधिकारी को समय-समय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने व मुख्य चिकित्साधिकारी को जनपद के बड़े हॉस्पिटलों जो बायोमेडिकल वेस्ट निकाल रहा है, उनके द्वारा निस्तारण किस प्रकार किया जा रहा है निरीक्षण कर रिपोर्ट देने हेतु कहा गया। परिवहन विभाग को मानक से अधिक धुंआ निकालने वाले मोडिफाइड साइलेंसरो, 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगातार कार्यवाही करें। वृक्षारोपण समिति के संबंध में निर्देशित किया गया कि समस्त विभाग जुलाई माह में किए गए वृक्षारोपण की जियोटेजिंग का कार्य जल्द से जल्द सतप्रतिशत पूर्ण कर ले व पौधो की देख रेख व निराई गुड़ाई का कार्य समय से करे ओर उसकी सूचना समय से तत्काल सूचना प्रेषित करें।बैठक में सभी विभागो द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी ने मानसिक स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कालपी - आज विधानसभा कालपी के अंतर्गत कदौरा में राष्ट्रीय

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन विधायक प्रतिनिधी आशीष चतुर्वेदी (आशु) द्वारा फीता काट कर किया गया इसमें सैकड़ो लोगों चिकित्सा अधीक्षक विनोद कुमार के द्वारा निशुल्क परीक्षण किया गया गया एवं उन्हें भविष्य मे होने वाली गंभीर वीमारियों से बचने के लिए नियम बताये गये इस अवसर पर भाजपा के कई कार्यकर्ता एवं नर्सिंग स्टॉफ मौजूद रहा

These 5 things ruin married life, the thread of the relationship slips far away from the hands

It is common to have minor differences and arguments (married life problems) in the relationship of husband and wife, but when these differences persist and the level of tension in the relationship increases, then this relationship gradually starts weakening. Sometimes

this problem gets so deeply rooted that the couple themselves do not understand why there is a rift in their relationship. It is common to have minor fights in the relationship of husband and wife. When the fights persist, the relationship starts weakening. It is impossible to save the relationship without understanding the root of the problem. Many types of challenges (marriage problems) come in married life. These challenges can be so deep that couples have to take a decision to end their relationship. But is this the real solution to the problem? Absolutely not. It is important to find a solution to the problems in married life, which is not possible without understanding the real reason for this estrangement. In such a situation, let us tell you 5 such reasons (5 things that ruin marriage) in this article, which bring married life to the brink of ruin. 1) Backbiting- Small fights are common in married life, but bringing them to others does not solve the problem, rather it increases further. When you speak ill of your partner, you not only harm your relationship but also create negative feelings for you in the minds of others. Remember, problems come in every relationship but they should be solved together. 2) Bringing up old things- There is a dispute in every relationship at some point of time, but it is not right to make it bigger by bringing up old things. By doing this, you not only hurt your relationship but also hurt your heart. Remember, every moment is new, do not burden it with old things. 3) Not talking openly Often there are some things between husband and wife about which it is difficult for both of them to talk openly. But remember, keeping quiet does not solve the problem but increases it. If you want your relationship to remain strong, you have to express your feelings openly. 4) Lack of quality time- In today's fast-paced life, we are not able to give our partner the time they need. Our busy routine becomes a threat to our relationship. Gradually, we move away from our partner and we do not even realize when our relationship has weakened. 5) Comparison with ex- When you get married to someone, it is very important to understand that your past is now the past. The moments spent with your ex are now just memories for you. Cherishing these memories is one thing and bringing them into your present relationship is another thing. Many people start comparing their ex with their partner in anger or jokingly, which can deeply hurt your married relationship. This makes your partner feel that you have not completely left your past behind.

If the interference of mother-in-law and father-in-law has bothered you and you are having a quarrel with your partner, then know the solution here

The intention behind the interference of mother-in-law and father-in-law may be clear, but it can create tension in your married life. Therefore, if you too are upset with the interference of mother-in-law and father-in-law in your married life (Relationship Tips), then you can handle it in some easy ways (Tips to Handle In-Laws Interference) so that their feelings will not be hurt and you will also not have trouble. Mother-in-law and father-in-law interfere only after

thinking good from their side. Repeated interference can create tension with your partner. Keep some things in mind to deal with the interference of mother-in-law and father-in-law. It is said that marriage is not just a union of two people, but two families get connected in it (Relationship Tips). However, the woman has to show more involvement from her side. Adjusting to the new family, taking care of their needs, serving the in-laws, etc. All this is fine to a certain extent, but the problem starts when the in-laws start interfering between the husband and wife. Although they may interrupt them for your well-being, but due to this, many times your relationship with your partner can get strained. In this article, we will learn about how to handle it (How to Stop In-Law From Meddling In Your Marriage) if the in-laws interfere in your relationship. Talk openly- Have an open conversation with your partner. Tell them how you feel about the interference of the in-laws. This will strengthen your relationship and give you the strength to face it together. Talk openly with your in-laws as well. Tell them that you appreciate their love and support, but you do not want their interference in your married life. Set boundaries- Set boundaries between you and your partner. This will help you decide which issues your in-laws can interfere in and which they cannot. Inform your in-laws about this boundary as well. Tell them that you respect their ideas and suggestions, but you want to make your own decisions. Stay positive- Remember that in-laws often interfere with good intentions. Try to understand them and respect their point of view. Staying positive will help you not misinterpret everything they say and focus on strengthening your relationship. Seek support- If you are feeling very upset by in-laws' interference, seek help from your partner, friends or family members. Consider talking to a therapist as well. They can help you understand your feelings and find ways to deal with in-laws' interference. Believe in yourself- Remember that you and your partner are the best people to make decisions for your married life. Believe in yourself and support your decisions.

The mistake of taking Oral Contraceptive Pills without asking a doctor can be costly

Contraceptive pills are considered to be a very effective way to avoid unwanted pregnancy. Although these pills are considered absolutely safe, but if you are taking them without consulting a doctor, then you can also get into big trouble. Therefore, on the occasion of this World Contraception Day 2024, we are going to tell why taking contraceptive pills without any expert can be harmful. Oral Contraceptive Pills is an effective way to prevent unwanted pregnancy. Contraceptive pills should not be taken without consulting a doctor. Due to this, many serious damages can be caused to health. There are many ways available in the market to avoid unwanted pregnancy. From condoms to contraceptive pills (Oral Contraceptive Pills), there are many effective ways that help to avoid pregnancy. To make people more aware about this, World Contraception Day is celebrated every year on 26 September. On this day, efforts are made to make people aware and conscious about family planning and reproductive health. Among all these, contraceptive pills are considered to be very effective. Many women also use oral contraceptive pills to avoid unwanted pregnancy. But taking them without consulting a doctor can be like playing with your health (Birth Control Pill Ke Nuksan). In this article, we will learn about the disadvantages (Contraceptive Pills Side Effects) of taking contraceptive pills without consulting a doctor. To know about this (Birth Control Pill Ke Nuksan), we spoke to Dr. Aastha Dayal (Director of Gynecology and Obstetrics Department of C.K. Birla Hospital, Gurugram). Let's know what she said about this. Dr. Dayal says that taking contraceptive pills without consulting a doctor can be very risky. These pills contain hormones, which are not necessary to be right for every person. This can cause problems like nausea, weight gain, mood swings and irregular bleeding. Some women are also at risk of blood clots, heart attack and stroke due to these pills. Especially if they smoke or have high blood pressure problem. Other side effects of contraceptive pills-

Changes in menstruation- These can affect the menstrual cycle, due to which bleeding can be reduced, irregular or can stop completely. Tender breasts- Tender breasts are also a common disadvantage of taking these pills. Headache- Some women may get headaches after taking these pills. Deep vein thrombosis (DVT)- In this condition, a blood clot forms in the veins. Usually in the legs. DVT can cause serious problems, such as pulmonary embolism (PE), which is caused by a blockage of blood in the lungs. If you take any medicine, there is a possibility that contraceptive pills may react with them and reduce their effect. Many negative consequences can be seen due to this. Not only this, if the dosage of contraceptive pills is not correct, the hormonal balance can get disturbed, due to which there may be problems in conceiving in the future. Therefore, always meet your doctor and talk about your medical history and needs, so that there is no harm to your health.

Adnaan Shaikh's wedding video surfaced, happiness seen on his face after making long time girlfriend Ayesha his bride

Bigg Boss OTT 3 contestant Adnaan Shaikh is in the news these days about his marriage. He recently got married to his long time girlfriend, when some videos of which surfaced on social media, people could not stop themselves from congratulating him. Now the wedding video of this popular YouTuber has surfaced. 'Bigg Boss OTT 3' fame Adnan Shaikh - Adnan Shaikh is part of Team 07 - married long time girlfriendFamous YouTuber and 'Bigg Boss OTT 3' fame Adnaan Shaikh has got married. He has started a new life with his long time girlfriend Ayesha Shaikh. Adnan has shared some pictures and videos related to his Nikah on social media, in which his happiness with Ayesha is clearly visible. Adnan's wife Ayesha's face has not been revealed, but in the pictures and videos that have surfaced, she looks very beautiful in a wedding dress. Many of his friends from 'Team 07' were seen at this wedding. At the same time, Shivani Kumari, Sana Maqbool and Vishal Pandey were seen from 'Bigg Boss OTT 3'. At the same time, now a beautiful video of Adnan's wedding has also surfaced. The joy of marriage did not go away from Adnan's face - Adnan Sheikh's wedding video has surfaced, in which he looks very happy. From wearing the groom's turban to seeing the bride's face after Nikah, the million dollar smile on Adnan's face is not going away. After this video surfaced, he has received congratulations from fans and celebrity friends. Adnan surprised everyone with the news of sudden marriage. Before the Nikaah, he shared many other videos and pictures related to the haldi, sangeet and other wedding functions. Friends also had a gala time- Before this, Adnan had shared a fun video with his friends from Team 07. In this video, he was asking his would-be bride to come to him as soon as possible.

Kangana Ranaut told how exploitation happens in the film industry, also took a dig at late choreographer Saroj Khan

Kangana Ranaut, who speaks boldly, has once again targeted Bollywood. She has talked about the exploitation of women in the film industry. The actress told how all kinds of tricks are adopted to exploit a woman. While putting forward her point, she also mentioned Saroj Khan's statement in which she talked about rape in the industry. Kangana Ranaut again attacked Bollywood The actress told how women are treated in Bollywood Also shared Saroj Khan's statement Actress and MP Kangana Ranaut does not shy away from expressing her views on any issue. She is one of those select actresses of the industry, who fearlessly tells the truth behind the film world in front of everyone. Now Kangana has joined BJP. She is an MP from Mandi, but even after coming into politics, she has not

stopped talking about the evils of Bollywood. These days, the revelations about Malayalam cinema regarding the Hema Committee Report have shocked people. Meanwhile, Kangana Ranaut has spoken many times about the truth behind the glamorous world. During an event, she told how exploitation is done there in the name of dinner. Kangana Ranaut made many shocking revelations about the Hindi film industry, which surprised people. She made it clear that the Hindi film industry is also not safe for people. This is how exploitation happens in the film industry - At the News 18 Chaupal event, the 'Queen' actress said, "Do you know how these heroes exploit women? They call them for dinner, message them and say come to my house. Look at the Kolkata rape case. I myself was given so many threats regarding rape. We know that we do not respect women and the film industry is also not untouched by this. The actress also said that if college boys comment on girls, then the heroes seen in the movie are no less than this. Saroj Khan was also criticized- The 'Tanu Weds Manu' star did not spare the late choreographer Saroj Khan in her statement. She repeated her statement, due to which people had once burst out in anger on Saroj Khan. Saroj Khan had said on casting couch, "Someone or the other tries to take advantage of every girl. Why are people only after the film industry? Government people also do it. But if the film industry commits rape, then it also gives bread." Kangana said that this is the situation of women in the film industry. Film 'Emergency' in controversy- The film 'Emergency' was to be released on 6 September. But due to controversies, its release was postponed. Kangana played the role of Indira Gandhi in the movie. People of the Sikh community had accused this political drama film of showing Sikhs in a wrong way. Fans are now waiting for the new release date of the film.

At the age of 69, fans were stunned to see the new look of 'Khoon Bhari Maang' actress Rekha, said- Aishwarya also fails in beauty

Rekha, who was a beautiful and top actress of her time, still beats the best in terms of beauty. Rekha may not be active in the film industry like before, but her charm is still intact. Rekha, who is often seen in silk sarees, has won the hearts of people with her latest and new look. Rekha returned in the look of the 80s, her trendy look caught people's attention, fans compared her to Aishwarya Rai. Bollywood's veteran actress Rekha blows people's senses with her look even at this stage of age.

Even at the age of 69, her fashion sense is considered commendable. Rekha is still one of the favorite heroines of many people due to these styles of hers. Recently, the actress was spotted at Mumbai airport. Here, people were stunned to see her in the trendy look of the 80s. Soon the actress's pictures started going viral. Rekha seen in trendy look- IIFA Awards is to be organized in Abu Dhabi this year. Rekha has left for there from Mumbai to attend this function. When the actress entered the airport, the onlookers kept looking at her. Rekha appeared in the style of her look in the film 'Khoon Bhari Maang'. Wearing a scarf on her head, red lipstick on her lips and big goggles in her eyes, Rekha once again showed her beauty. Let us tell you that seeing this look of the actress, the fans remembered her look of the 80s, when the actress had done many photoshoots with a scarf tied on her head. This time she was seen in a similar condition at the airport look. She wore a black colored long dress. Seeing Rekha's latest look, fans could not stop themselves from praising her. Fans praised- Seeing Rekha in this trendy look, fans have praised her fashion sense fiercely. One commented, 'The most iconic woman.' Another wrote, 'This look reminded me of Khoon Bhari Maang.' Some users also compared her look to Aishwarya Rai Bachchan's latest Paris Fashion Week look.